शर्मा हार्डওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 298 | गुवाहाटी | गुरुवार, 4 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अभिषेक का पार्टी से कोई संबंध नहीं, ममता बनर्जी सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन... पेज 2
मिशन स्नेहजोरी से असम के मूगा उद्योग को मिलेगी नई गति : पबित्र मार्घेरिटा पेज 3
कैबिनेट मंत्री के गांव में पानी मांगने पर ग्रामीणों पर एफआईआर पेज 5
न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज का कार्यक्रम... पेज 7

दिल्ली के मालवीय रेस्टोरेंट में लगी आग, 21 लोगों की मौत

मरने वाले में 17 विदेशी, अधिकतर नाइजीरिया, बांग्लादेश और लाइबेरिया से

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में बुधवार सुबह फ्लोरिश स्टे बीएंडबी रेस्टोरेंट में लगी आग में 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इन मृतकों में 17 विदेशी नागरिक शामिल हैं। अधिकांश मृतक लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के रहने वाले थे। वहीं इस घटना में 40 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। दमकल की आठ गाड़ियों ने पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया है। इलाके में भीषण आग के बाद घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। आग इतनी तेजी से फैली कि रेस्टोरेंट और उससे जुड़े हिस्सों में मौजूद कई लोग अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग, दिल्ली पुलिस और आपदा प्रबंधन एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस दुखद घटना में 21 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है। 8 दमकल गाड़ियों की सहायता से आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया गया है। पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और अन्य आपातकालीन बचाव कर्मियों के समन्वित प्रयासों से, 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है और चिकित्सा उपचार के लिए पास के -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने दिल्ली के मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट कर मालवीय नगर -शेष पृष्ठ दो पर

ग्लोबल मीडिया ने उठाए गंभीर सवाल, छिड़ी नई बहस

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत और दर्जनों लोगों के घायल होने की घटना ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोरी हैं। ब्रिटेन, जर्मनी, स्पेन, कतर और बांग्लादेश सहित कई देशों के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने इस त्रासदी को प्रमुखता से कवर करते हुए भारत में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और भवन नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। हादसे में मृतकों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की होने के कारण यह घटना वैश्विक मीडिया का ध्यान आकर्षित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। कतर के समाचार चैनल अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि भारत में आग लगने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मालवीय नगर -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति मुर्मू से मिले असम के मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास की रफ्तार को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को राज्य में तेजी से हो रहे आर्थिक विकास और भविष्य के विकास के रोडमैप (रूपरेखा) से अवगत कराया। यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद शर्मा की राष्ट्रपति के साथ यह पहली आधिकारिक मुलाकात थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें और विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को *साहस, दृढ़ता और नेतृत्व का प्रतीक* करार दिया। उन्होंने कहा कि उनसे बातचीत करना हमेशा ही एक प्रेरणादायक अनुभव होता है। शर्मा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि माननीय राष्ट्रपति महोदया से मिलना हमेशा एक प्रेरणादायक अनुभव रहता है और उनके शब्द जनसेवा के हमारे मार्ग में एक बड़े प्रोत्साहन का काम करते हैं। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को असम की निरंतर जारी विकास यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दूसरी बार कार्यभार संभालने के बाद, मैंने उन्हें भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्य के रूप में असम की विकास यात्रा के बारे में जानकारी दी और बताया कि हम इस गति को आगे कैसे ले जाने की योजना बना रहे हैं। शर्मा ने जन कल्याण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और आर्थिक विकास के अपने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

संघर्ष के बाद असम और मेघालय के किसानों ने विवादित सीमावर्ती क्षेत्र में खेती फिर से शुरू की

कार्बी आंग्लांग। असम और मेघालय के ग्रामीणों ने बुधवार (3 जून, 2026) को विवादित सीमा क्षेत्र में अपनी कृषि गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं, जिससे हफ्तों से चल रहे रुक-रुक कर होने वाले संघर्ष का अंत हो गया। यह पुनःस्थापन दोनों राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किए गए एक फार्मूले के बाद हुआ, जो मंगलवार (2 जून, 2026) की दोपहर को विवादित तापत-लापंगाप क्षेत्र में मिले और अस्पष्ट अंतर-राज्यीय सीमा के दोनों ओर के निवासियों के बीच शांति स्थापित करने में सफल रहे। तापट असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में स्थित है, और लापांगप मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में स्थित है। लापांगप निवासी मेलिन दखर ने बताया कि हमारे लोगों ने आज [बुधवार] विवादित खेतों पर काम शुरू कर दिया है। खेती पर अत्यधिक निर्भर स्थानीय लोगों के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। हम वसंत ऋतु में खेती नहीं कर सके। हमें उम्मीद है कि हम इस -शेष पृष्ठ दो पर

ममता को बड़ा झटका : 60 विधायकों के समर्थन से ऋतब्रत बनर्जी बने नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी के बड़ा झटका लगा है। विधानसभा स्पीकर ने बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष बनाया है। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनको 60 विधायकों का समर्थन हासिल है। टीएमसी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने कहा कि हमने अभी-अभी चिट्ठी सौंपी है। नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) के लिए तय कमरा आधिकारिक तौर पर अलॉट कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष अभी वहीं बैठे हैं। संदीपन साहा ने कहा कि हमारी इच्छा है कि ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें और हमें अपनी सलाह देती रहें, ताकि हम, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक के साथ मिलकर, विधानसभा के अंदर पार्टी को प्रभावी ढंग से चला सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी की जो बुरी हालत आज हो गई है, कुछ हद तक, वह अभिषेक बनर्जी की नाकामी है। आखिर, अगर जब सब कुछ अच्छा होता है तो आप उसका श्रेय लेते हैं, तो जब चीजें गलत होती हैं तो आपको उसकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। वहीं टीएमसी नेता प्रसून बनर्जी ने कहा ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष बिना रुके जारी रहेगा। हमारी वैचारिक लड़ाई चलती रहेगी। इसके अलावा, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनों के साथ बुराई करने के समान है।
-सादी

न्यूज गैलरी

न्यूयॉर्क सीनेट में 15 अगस्त 2026 को भारत स्वतंत्रता दिवस घोषित करने का प्रस्ताव पारित

न्यूयॉर्क (हि.स.)। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क की सीनेट ने भारतीय स्वतंत्रता दिवस के संबंध में ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया है। सीनेट ने पारित प्रस्ताव (संख्या 1935) में राज्य की गवर्नर कैथी होचुल से इस वर्ष 15 अगस्त 2026 को राज्य में *भारत स्वतंत्रता दिवस* घोषित करने का आग्रह किया है। इस अवसर पर सांसदों ने महात्मा गांधी की -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री बने डी.के. शिवकुमार पीएम ने दीं शुभकामनाएं

बेंगलुरु (हि.स.)। कर्नाटक की राजनीति में बुधवार को एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार ने राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। बेंगलुरु स्थित लोक भवन के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृह मंत्री आज शिलांग दौरे पर

पूर्वोत्तर विकास योजनाओं की समीक्षा

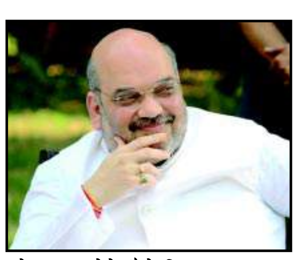

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 जून को शिलांग में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के 73वें पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में पर्यटन, कृषि, बागवानी और निवेश को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल होंगे। आज आयोजित पूर्व-पूर्ण अधिवेशन बैठक में बांस, अगरवुड, अष्टलक्ष्मी दर्शन और अन्य प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। गुरुवार को होने -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, भारत में बदले विदेशियों के वीजा नियम

नई दिल्ली। भारत में रहने वाले विदेशियों के लिए अब घड़ी की सुइयां बदल चुकी है। अगर कोई जानने वाला एक दिन भी बिना जानकारी के भारत में रुका तो उसे भारी कानूनी कारवाई का सामना करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार ने रातोंरात इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स रूल्स 2025 लागू कर दिया है। अब 180 दिन वाला वो पुराना ग्रेस पीरियड खत्म हो चुका है। दरअसल भारत हमेशा से अपनी अतिथि देवो भव की परंपरा के लिए जाना जाता है। लेकिन बदलती सुरक्षा चुनौतियों और प्रशासनिक व्यवस्था को डिजिटल बनाने के लक्ष्य के साथ गृह मंत्रालय ने इमीग्रेशन नियमों में बड़े संशोधन किए हैं। इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य देश में रह रहे विदेशी नागरिकों का सटीक डाटा रखना और किसी भी प्रकार के अवैध प्रवास को रोकना है। देखिए अब तक नियम यह था कि अगर कोई -शेष पृष्ठ दो पर

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनकर उभरा, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने वार्षिक सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। भारत ने 155 गीगावाट की उल्लेखनीय सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे देश के 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य को प्राप्त करने और निर्धारित समय से पहले अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने में मदद मिली है। -शेष पृष्ठ दो पर

जवानी में किया अपराध, बुढ़ापे में मिली सजा... 85 साल के बुजुर्ग को तीन साल की जेल

पटना। बिहार में एक ऐसे बुजुर्ग को कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है जो खुद से चल भी नहीं सकता। राज्य के वैशाली जिले की एक अदालत ने एक परिवार के 5 सदस्यों को, जिनमें 85 साल का एक बुजुर्ग भी शामिल है, 34 साल पुराने मर्डर के प्रयास के मामले में जेल की सजा सुनाई। साथ ही दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। खास बात यह है कि 3 दशक से भी लंबे समय तक चले केस के दौरान, 4 आरोपियों की मौत हो गई। जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-आई मनोज कुमार तिवारी ने कल मंगलवार को अपने फैसले में 4 दोषियों में से हर एक दोषी को 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई, जबकि 85 साल के बुजुर्ग दीपा राय को 3 साल की जेल की सजा दी गई। हालांकि, दीपा राय को उनकी अधिक उम्र को देखते हुए अंतरिम जमानत दे दी गई। कोर्ट की ओर से सभी पांचों दोषियों-दीपा राय के साथ-साथ जगदीश राय, नागदेव राय, नरेश राय और नकेश्वर राय में से सभी को 25,000 -शेष पृष्ठ दो पर

जियो से एयरटेल में नहीं करने दिया पोर्ट

बेटे ने चाकू घोंपकर मां-बाप को उतार दिया मौत के घाट

नई दिल्ली। बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहन चंद्रा पर अपने माता-पिता की हत्या का आरोप है। इस साल फरवरी में पुलिस ने हल टाउनशिप के पास विज्ञान नगर स्थित विला में रिटायर्ड नेवी कैप्टन नवीन चंद्रा भट और उनकी पत्नी श्यामला भट को मृत पाया था। दोनों के शारीर पर चाकू घोंपने के निशान थे। पड़ोसी डॉ. माधवी नायर, ने घायल दंपति को अस्पताल पहूंचाया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना के तुरंत बाद श्यामला भट के बयान के आधार पर पुलिस ने रोहन को सिजोफ्रेनिया और एंग्जायटी का रोगी मानते हुए निमहंस में भर्ती कराया। एक सप्ताह की निगरानी और इलाज के बाद डॉक्टरों ने रोहन को पूरी तरह स्वस्थ बताया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सैदुलु अदावत ने बताया कि डॉक्टरों ने कहा कि रोहन में तनाव, एंग्जायटी या सिजोफ्रेनिया का कोई लक्षण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

अभिषेक का पार्टी से कोई संबंध नहीं, ममता बनर्जी सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन दें : ऋतब्रत

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी संघर्ष के बीच नवमान्यता प्राप्त विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी का उनकी पार्टी से कोई संबंध नहीं है, जबकि ममता बनर्जी को वह एक वरिष्ठ नेता के रूप में पार्टी की मुख्य सलाहकार की भूमिका में देखना चाहते हैं। बुधवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ऋतब्रत ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उनके साथ हमारी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। जनता के साथ भी उनका कोई जुड़ाव नहीं है। यदि ऐसा होता तो चुनावी हार के बाद वह 26 दिनों तक सार्वजनिक रूप से गायब नहीं रहते, बल्कि लोगों के बीच आते। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद हुई घटनाओं के दौरान अभिषेक बनर्जी जनता के समर्थन का दावा करते रहे, लेकिन बाद में अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखना पड़ा। ऋतब्रत ने कहा कि उनका समूह अभिषेक बनर्जी को लेकर किसी प्रकार की चर्चा करना नहीं चाहता और पार्टी की राजनीति को उनके प्रभाव से अलग रखना चाहता है। इसके विपरीत, ऋतब्रत ने तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि वह राज्य और देश की एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता हैं। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि ममता बनर्जी का लंबा राजनीतिक अनुभव है। हमारी इच्छा है कि वह पार्टी की मुख्य सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन देती रहें और संगठन को दिशा प्रदान करें। ऋतब्रत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर खुला संघर्ष सामने आ चुका है। हाल ही में विधानसभा अध्यक्ष द्वारा ऋतब्रत बंद्योपाध्याय को विपक्ष का नेता मान्यता दिए जाने के बाद पार्टी के भीतर दो स्पष्ट धड़े दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, ऋतब्रत का यह बयान तृणमूल कांग्रेस के भीतर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की भूमिकाओं को अलग-अलग परिभाषित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। एक ओर उन्होंने ममता बनर्जी को पार्टी के लिए स्वीकार्य और सम्मानित नेतृत्व बताया, वहीं दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी से पूरी तरह दूरी बनाने का संकेत दिया।

बंगाल सरकार ने सौरव गांगुली की सुरक्षा में किया बदलाव

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (कैब) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती करने का फैसला किया है। अब तक सौरव को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी, लेकिन अब उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी। इस फैसले के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था दो स्तर नीचे आ जाएगी। इस संबंध में सौरव गांगुली से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से विभिन्न राजनीतिक नेताओं और विशिष्ट व्यक्तियों को दी जा रही सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पदभार संभालने के बाद नबान्न में आयोजित एक बैठक में स्पष्ट किया था कि जिन लोगों को वास्तविक सुरक्षा खतरा नहीं है, उन्हें अनावश्यक सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। इसके बाद राज्य पुलिस ने राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ उन अन्य लोगों की सुरक्षा की भी समीक्षा शुरू की, जिन्हें राज्य सरकार की ओर से विशेष सुरक्षा प्रदान की जाती थी।

गुवाहाटी में हिट एंड रन में त्रिपुरा के व्यक्ति की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जजेज फील्ड के समीप बुधवार सुबह एक दर्दनाक हिट एंड रन दुर्घटना में त्रिपुरा के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान विश्वव्रत सिन्हा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, विश्वव्रत सिन्हा इलाज संबंधी कारणों से गुवाहाटी आए हुए थे। बुधवार सुबह वह प्रातः भ्रमण के लिए निकले थे। लौटते समय जजेज फील्ड के निकट एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए सिन्हा को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा फरार वाहन और चालक की तलाश जारी है। उधर जोरहाट जिले के ज्योतिपुर कलाखोवा क्षेत्र में हुई एक सनसनीखेज डकैती की घटना ने इलाके में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। बीती रात डकैतों ने अकेली रह रही वृद्ध महिला रूबी पात्र को हथियार दिखाकर उनके घर में लूटपाट की।

तमिलनाडु में रास सीट कांग्रेस को आवंटित टीवीके-कांग्रेस गठबंधन में सहमति बनी

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु की राजनीति में आगामी राज्यसभा चुनावों को लेकर एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विजय ने घोषणा की है कि राज्य में रिक्त हुई राज्यसभा सीट तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत कांग्रेस को आवंटित की जाएगी। यह चुनाव 18 जून, 2026 को प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि तमिलनाडु से चुनी जाने वाली रिक्त राज्यसभा सीट कांग्रेस को दी गई है। इस निर्णय के साथ गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गिरीश चोडणकर ने हाल ही में चेन्नई में मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की थी। इस दौरान राज्यसभा सीट आवंटन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में गिरीश चोडणकर ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री विजय के साथ राज्यसभा सीट को लेकर विस्तृत चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है और यह निर्णय उसकी रणनीतिक जरूरतों के अनुरूप है। चोडणकर ने बताया कि दिल्ली दौरे के दौरान समयाभाव के कारण कांग्रेस नेतृत्व की मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात नहीं हो सकी, हालांकि उन्हें गोवा आने का निमंत्रण दिया गया है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में राज्यसभा की कुछ सीटों का कार्यकाल जून 2026 में समाप्त हो रहा है, जिसके चलते 18 जून 2026 को चुनाव निर्धारित किया गया है।

अवैध शिकार का आरोपी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले की जागीरोड पुलिस ने अवैध शिकार मामले में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के टोपातली के समीप चलाए गए अभियान के दौरान एक अवैध शिकारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सल भेनस नंरुम (45) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से हस्त निर्मित बंदूक, दो जीवित कारतूस एक चाकू, दो मोबाइल फोन के अलावा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए गए।

गुवाहाटी से लापता चार छात्राओं को पुलिस ने हावड़ा से किया बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी से लापता हुई चार नाबालिग छात्राओं को वशिष्ठ पुलिस ने सकुशल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। सभी छात्राओं को पश्चिम बंगाल के हावड़ा से सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। जानकारी के अनुसार, कक्षा छह और सात में पढ़ने वाली 11-12 वर्ष आयु की चार छात्राएं सोमवार को स्कूल जाते समय लापता हो गई थीं। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल बन गया था और पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू की। वशिष्ठ पुलिस की त्वरित कार्रवाई और समन्वित प्रयासों के चलते छात्राओं का पता लगाकर उन्हें हावड़ा से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद सभी छात्राओं को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि छात्राएं किन परिस्थितियों में वहां पहुंचीं तथा घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं।

धुबड़ी के गौरीपुर में वज्रपात से सात गो-धन की मौत

धुबड़ी (हिंस)। असम के धुबड़ी जिले के गौरीपुर क्षेत्र में बुधवार को भीषण आंधी-तूफान और बारिश के दौरान हुई वज्रपात की घटना में सात गो-धन की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल व्याप्त है। बुधवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरीपुर के लालकुरा गांव में तेज बारिश और आंधी के बीच अचानक वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आकर एक साथ सात गो-धन की मौत हो गई। घटना से पशुपालकों को भारी नुकसान पहुंचा है। वज्रपात की इस घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए।

पृष्ठ एक का शेष

दिल्ली के मालवीय...

अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह संख्या उन सभी लोगों की है, जिन्हें इमारत से निकाला गया है। इनमें से कितने लोग घायल हैं और उनकी स्थिति क्या है, इसकी विस्तृत जानकारी संबंधित अस्पतालों से जुटाई जा रही है। प्रशासन लगातार अस्पतालों के संपर्क में है और घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान दमकल विभाग के जवानों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आग बुझाने और अंदर फंसे लोगों को निकालने के दौरान एलएफएम योगेंद्र घायल हो गए। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। वहीं एसटीओ मनोज की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें ड्यूटी से हटाकर वापस स्टेशन भेजा गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन विभाग के प्रधान निदेशक भी मौके पर पहुंच गए। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पूरे अभियान की निगरानी की जा रही है। अग्निशमन विभाग, पुलिस और अन्य एजेंसियों की संयुक्त टीम इमारत के हर हिस्से की गहन तलाशी ले रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति अंदर फंसा न रह गया हो। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन धुआं और गर्मी के कारण सर्च ऑपरेशन बेहद सावधानी से चलाया जा रहा है। बचाव टीमें इमारत के अंदर प्रवेश कर हर कमरे और बेसमेंट की जांच कर रही हैं। घटना के बाद मालवीय नगर और आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र को घेर लिया है और आम लोगों की आवाजाही पर नियंत्रण रखा जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक जांच के बाद ही आग की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ...

अग्निकांड पर दुख जताते हुए कहा कि इस घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की साथ ही घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आग में लोगों की मृत्यु पर दुखद जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में उन्हें शक्ति और साहस मिले। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने की घटना से मन अत्यंत व्यथित है। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मालवीय नगर अग्निकांड को हृदयविदारक बताते हुए इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हादसे में घायल हुए सभी नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मालवीय नगर अग्निकांड में कई लोगों के देहावसान का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दुख जताते हुए सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वो राहत और बचाव कार्य में हर संभव योगदान दें। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मालवीय नगर में आग लगने की घटना पर दुख जताते हुए कहा कि राज्य सरकार और अधिकारियों को पीड़ितों को शीघ्र चिकित्सा देखभाल सहित पर्याप्त और समय पर मुआवजा प्रदान करना चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मालवीय नगर के एक होटल में आग लगने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु एवं करीब तीन दर्जन से ज्यादा लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मालवीय नगर दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु के समाचार को पीड़ादायी बताते हुए बाबा महाकाल से दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दुख जताते हुए कहा कि आज मालवीय नगर में इतनी बड़ी घटना हो गई। 21 लोगों की मौत दुखद है। दिल्ली में लगातार हो रहे अग्निकांड और मासूम लोगों की मौतें बेहद चिंताजनक हैं।

ग्लोबल मीडिया ने उठाए...

स्थित भवन के निचले हिस्से में रेस्तरां और ऊपर होटल संचालित हो रहा था। अल जजीरा ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि आग लगने के बाद पूरा भवन धुएं से भर गया और लोग अंदर फंस गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कई इमारतों में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी के कारण ऐसी घटनाओं में भारी जनहानि होती है। उधर ब्रिटेन के बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में इलाज के लिए भारत आए विदेशी नागरिक भी बने हादसे का शिकार हैडलाइन दी और बताया कि मृतकों में कई विदेशी नागरिक शामिल हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार के लिए आए थे। बीबीसी के अनुसार, यह भवन एक गेस्ट हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था, जहां आसपास के निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीज और उनके परिजन ठहरते थे। रिपोर्ट में दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद के बयान का हवाला देते हुए कहा गया कि यह जांच की जा रही है कि भवन को गेस्ट हाउस के रूप में संचालित करने की वैध अनुमति थी या नहीं। बीबीसी ने यह भी लिखा कि भारत में कई अग्निकांडों की जांच में खराब विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा नियमों की अनदेखी और भवनों के गलत उपयोग जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। वहीं स्पेन के प्रमुख अखबार एल पाइस ने सूचना मिलने में देरी और घनी आबादी को चुनौती बताया और लिखा कि दक्षिण दिल्ली के फ्लोरिश स्टे होटल में लगी आग की सूचना दमकल विभाग को देर से मिली। रिपोर्ट में कहा गया कि शुरुआती आशंका के अनुसार आग भवन के निचले हिस्से में चल रहे रेस्तरां से शुरू हुई हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एल पाइस ने दिल्ली की घनी आबादी, संकरी गलियों और पुराने भवनों में सुरक्षा मानकों की कमी को ऐसी घटनाओं के गंभीर होने का प्रमुख कारण बताया। उधर जर्मन मीडिया संस्थान डी डब्ल्यू न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भवन के बेसमेंट में रेस्तरां और ऊपर होटल संचालित हो रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक जांच में रेस्तरां से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आग के वास्तविक कारणों की जांच अभी जारी है। डी डब्ल्यू ने यह भी उल्लेख किया कि मृतकों में कुछ विदेशी नागरिक शामिल हैं, जो इलाज के लिए भारत आए थे। ब्रिटिश टैब्लॉयड द सन ने घटना के मानवीय पहलू को प्रमुखता से दिखाया। रिपोर्ट में कहा गया कि आग और धुएं के तेजी से फैलने के कारण ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़ी। द सन ने स्थानीय लोगों की सराहना करते हुए लिखा कि उन्होंने सड़क पर गद्दे बिछाकर कई लोगों की जान बचाने में मदद की। रिपोर्ट में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का भी जिक्र किया गया, जिनमें इमारत से उठती लपटें और धुआं दिखाई दे रहा था। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र डेली स्टार ने लिखा कि आग लगने के बाद कई घंटों तक बचाव अभियान चलाया गया और 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जो इलाज या अन्य कार्यों के सिलसिले में दिल्ली आए हुए थे। विश्व मीडिया की अधिकांश रिपोर्टों में एक समान चिंता उभरकर सामने आई है अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन, भवनों का उपयोग और आपातकालीन निकासी व्यवस्था। दिल्ली पुलिस ने होटल मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि भवन में अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं।

राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और ...

मिशन को जारी रखने के लिए राष्ट्रपति का आशीर्वाद और मार्गदर्शन भी मांगा। गौरतलब है कि यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब असम सरकार पूरे राज्य में आर्थिक विकास को मजबूत करने, नए निवेश आकर्षित करने और सार्वजनिक सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों पर तेजी से काम कर रही है।

संघर्ष के बाद असम ...

अवसर का भरपूर लाभ उठाएंगे, सुश्री दखर ने कहा। समझौते के अनुसार, असम के कार्बी समुदाय के किसान मेघालय द्वारा दावा की गई भूमि पर एक कृषि ऋतु के लिए अपनी फसलों की खेती और देखभाल करेंगे। इसके बदले में, मेघालय के खासी-पनार समुदाय के किसान असम द्वारा दावा की गई भूमि पर खेती करेंगे। लापांगप के पारंपरिक समुदाय-आधारित संगठन के प्रमुख, देइमोनमी लिंगदोह ने कहाकि यह एक अस्थायी व्यवस्था है, लेकिन हमें उम्मीद है कि कल की बैठक के दौरान प्रदर्शित सहयोग की भावना पड़ोसी समुदायों के बीच संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगी और सीमा संबंधी मुद्दों के स्थायी समाधान में योगदान देगी। असम और मेघालय के बीच 855 किलोमीटर लंबी सीमा पर 12 विवादित क्षेत्र 1972 से चले आ रहे हैं, जब मेघालय को असम से अलग करके एक पूर्ण राज्य बनाया गया था। कई उच्च स्तरीय बैठकों के बाद, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और उनके मेघालय समकक्ष कॉनरैड के. सांग्मा ने मार्च 2022 में छह क्षेत्रों में विवाद को सुलझाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। टापट-लापंगाप उन छह शेष क्षेत्रों में से एक है जिनका समाधान होना बाकी है। इस क्षेत्र में विवाद अक्तूबर 2025 में उस समय गंभीर हो गया जब धान की कटाई को लेकर ग्रामीणों के बीच झड़प हुई और उन्होंने एक-दूसरे पर पत्थर और गुलेल से हमला किया, जिसमें 45 वर्षीय एक कार्बी व्यक्ति की मौत हो गई। एक महीने बाद खेती फिर से शुरू हो गई, लेकिन कई छोटी-मोटी घटनाओं के कारण मार्च-अप्रैल में गतिरोध उत्पन्न हो गया। मंगलवार (2 जून, 2026) को हुई बैठक के दौरान कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के प्रमुख तुलिराम रोंगहांग ने असम की टीम का नेतृत्व किया, जबकि मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभलांग धर ने मेघालय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

ममता को बड़ा ...

जहां भी आवश्यक होगा, एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सरकार के साथ हमारा सहयोग भी जारी रहेगा। आज आप जो देख रहे हैं वह कोई असाधारण बात नहीं है। यह केवल इस बात का प्रतीक है कि अधिकांश विधायकों ने सामूहिक रूप से चार नेताओं का चुनाव किया है जो विधानसभा में हमारा प्रतिनिधित्व करेंगे और हमारा नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, सत्ताधारी सरकार और विपक्ष दोनों का सदन में उपस्थित होना, संवाद करना और रचनात्मक बहसों में भाग लेना आवश्यक है। इसलिए, विधानसभा के सभी विधायकों ने सामूहिक रूप से यह कदम उठाने का निर्णय लिया।

केंद्रीय गृह मंत्री ...

वाले पूर्ण अधिवेशन में विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए गठित मुख्यमंत्रियों की उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की प्रगति पर चर्चा होगी। बैठक में पर्यटन, कृषि और बागवानी, निवेश संवर्धन, दूध, अंडे, मछली और मांस उत्पादन में आत्मनिर्भरता, खेलों को बढ़ावा देने तथा आर्थिक गलियारों के विकास पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अलावा बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास पर भी विचार-विमर्श होगा। बैठक में पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय (डोनर) की प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों की भी समीक्षा की जाएगी। इसमें नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टमेंट समिट और बैंकर्स कॉन्क्लेव के परिणामों पर चर्चा होगी। युवा विकास, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्र की विशिष्ट पहचान वाली परियोजनाओं (यूएसपी) की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक में नॉर्थ ईस्ट विजन प्लान 2047 पर भी विचार किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक पूर्वोत्तर क्षेत्र को आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी, नवाचार, स्थिरता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रमुख केंद्र बनाना है। बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर विकास मंत्री और एनईसी के उपाध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री, तथा केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। उत्तर पूर्वी परिषद की स्थापना वर्ष 1971 में उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम के तहत की गई थी। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र की सर्वोच्च क्षेत्रीय योजना संस्था है और क्षेत्र के समन्वित विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मोदी सरकार का बड़ा...

विदेशी 180 दिन से ज्यादा रुकता था तो उसे अतिरिक्त 14 दिन मिलते थे। लेकिन अब इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स रूल्स 2025 के तहत प्री रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। अगर आपका वीजा 180 दिन का है और आपको लगता है कि आपको 181वें दिन भी भारत में रहना है तो आपको वो 180 दिन खत्म होने से पहले ही रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सबसे बड़ी बात है कोई ग्रेस पीरियड नहीं। जी हां, अब आप यह नहीं कह सकते हैं कि समय खत्म होने के बाद हम फॉर्म भर देंगे। सरकार ने साफ कर दिया है कि समय सीमा के भीतर सूचना देना अब आपकी कानूनी जिम्मेदारी है। तीसरा मुख्य बिंदु है लंबी अवधि के वीजा पर भी लगाम। जिनके पास 1 साल या 5 साल का वीजा है उनके लिए भी नियम काफी सख्त हैं। अगर वे 1 साल में 180 दिन से ज्यादा भारत में बिता रहे हैं तो उन्हें हर हाल में रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा। वैसे इस कानून में एक बहुत ही भावुक और तकनीकी पहलू भी जुड़ा हुआ है जो उन बच्चों से जुड़ा है जिनका जन्म भारत में हुआ है लेकिन माता-पिता में कोई एक विदेशी है। इतना नहीं भारतीय माता-पिता को राहत है। अगर माता-पिता में से एक भारतीय है और वे चाहते हैं कि बच्चा भारतीय नागरिक ही बना रहे, तो उन्हें जन्म के 30 दिनों के भीतर वीजा या एग्जिट परमिट के लिए भागदौड़ करने की जरूरत नहीं होगी। और यह एक बहुत बड़ी राहत है। इसके अलावा एक और अन्य बिंदु है दोहरी नागरिकता की स्थिति। लेकिन अगर वो बच्चा बड़ा होकर या किसी भी समय किसी दूसरे देश की नागरिकता को ले लेता है तो इसकी जानकारी 30 दिनों के भीतर सरकार को देनी होगी और ऐसा ना करना कानून का उल्लंघन माना जाएगा। यह नियम केवल विदेशियों पर ही नहीं बल्कि उन्हें सेवाएं देने वाले संस्थाओं पर भी लागू होता है। भारत में इलाज कराने आने वाले विदेशियों की संख्या बहुत ज्यादा है। अब अस्पतालों और नर्सिंग होम के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने यहां भर्ती हर विदेशी नागरिक की सटीक जानकारी सरकार को दें। अगर कोई संस्थान अगर यह जानकारी छुपाता है तो उनका लाइसेंस रद्द हो सकता है। सरकार अब हर उस जगह का रिकॉर्ड चाहती है जहां कोई विदेशी नागरिक ठहरा है या खुद को दिखाने जा रहा है? लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह कदम सुरक्षा के लिए है? एक्सपर्टों का साफ कहना है कि इन नियमों से ना केवल आंतरिक सुरक्षा काफी मजबूत हो जाएगी बल्कि इमीग्रेशन की प्रक्रिया भी पारदर्शी हो जाएगी। गृह मंत्रालय अब एक क्लिक पर जान सकेगा कि किस राज्य में कितने विदेशी अपनी वीजा अवधि से ज्यादा समय से रह रहे हैं और इन सख्त नियमों से उन लोगों की पहचान करना काफी आसान हो जाएगा जो टूरिस्ट वीजा पर आकर यहां अवैध रूप से बस जाते हैं।

भारत विश्व का दूसरा ...

अब इस क्षेत्र में चीन भारत से आगे है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनकर उभरा है, जिसने 2025 में वार्षिक सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि देश की स्वच्छ ऊर्जा की तीव्र वृद्धि को दर्शाती है, जो कुशल, विश्वसनीय और टिकाऊ सौर अवसंरचना सुनिश्चित करने में सहायक है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी प्रमुख पहल लोगों के जीवन में बदलाव ला रही हैं, जिसके तहत 40 लाख से अधिक परिवार पहले ही छत पर सौर ऊर्जा से जुड़ चुके हैं।

जवानी में किया अपराध...

रुपए का जुर्माना भी लगाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक ख्वाजा हसन खान ने कहा कि दोषसिद्धि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत की गई, जिसमें धारा 148 और 307, साथ ही शस्त्र अधिनियम की धारा 27 शामिल हैं। कोर्ट ने बुजुर्ग दोषी दीपा राय को अंतरिम जमानत दे दी। यह पूरा मामला 10 नवंबर, 1992 को जुरावनपुर गांव में हुई एक घटना से जुड़ा है। ख्वाजा हसन खान ने घटना के बारे में बताया कि मामला 1992 का है। अदालत राय और उनकी पत्नी अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। इस दौरान, आरोपी शख्स उनके घर के ठीक सामने वाले रास्ते पर कांच के टुकड़े बिखेरने लगे थे। अलग-अलग तरह के हथियारों से लैस आरोपियों ने अचानक उन पर गोली चला दी। गोली चलने की वजह से अदालत राय और उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आईं। तत्काल उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया। इस मामले में 9 व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया था। अतिरिक्त लोक अभियोजक ने बताया कि पुलिस ने मार्च 1993 में चार्जशीट दाखिल किया, और 17 जून, 1999 को औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए। कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद 26 मार्च को फैसला सुनाने की तारीख तय की थी। उस दिन, कोर्ट में इस मामले में जिन 5 व्यक्तियों का ट्रायल हुआ था, उन्हें दोषी करार दिया गया। आज, कोर्ट ने सजा का स्तर तय कर दिया। चार दोषियों को 10-10 साल की कैद की सजा सुनाई गई। इसके अलावा, उन्हें शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) के तहत 3 साल की कैद की सजा सुनाई गई। उन्होंने बताया कि जहां तक दीपा राय की बात है, जिनकी उम्र 85 साल है। हालांकि कोर्ट ने उन्हें 3 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। उन्हें कोर्ट से जमानत भी मिल गई।

बेटे ने चाकू घोंपकर...

नहीं है। जिसके बाद हमें पूछताछ और अदालती कार्यवाही की हरी झंडी मिली थी। पुलिस जांच में सामने आया कि रोहन अमेरिका से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मास्टर्स कर चुका था और अपना एआई टूल्स आधारित स्टार्टअप शुरू करना चाहता था। इसके लिए उसने माता-पिता से 10 लाख रुपए की मदद मांगी, जिसे उन्होंने नौकरी करने की सलाह देते हुए मना कर दिया। दूसरा विवाद मोबाइल नंबर को जियो से एयरटेल में पोर्ट करवाने को लेकर था। रोहन लंबे समय से इस्तेमाल हो रहे नंबर को बदलना चाहता था, लेकिन पिता ने इजाजत नहीं दी। 11 फरवरी को इस बात पर हुई तेज बहस ने खूनी रूप ले लिया। मामले में पुलिस ने 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें 40 गवाहों के बयान और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट शामिल हैं। फॉरेंसिक रिपोर्ट में रोहन के कपड़ों पर मिले खून के धब्बे उसके माता-पिता के ही बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि यह सबूत रोहन को हत्यारा साबित करने के लिए काफी हैं।

न्यूयॉर्क सीनेट में 15 अगस्त ...

विरासत को याद किया और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की। न्यूयॉर्क सीनेट की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, इस विधायी निकाय ने 15 अगस्त 2026 को आधिकारिक तौर पर भारत स्वतंत्रता दिवस के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव पारित किया है। यह ऐतिहासिक कदम भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों और न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के बढ़ते प्रभाव एवं योगदान को दर्शाता है। प्रस्ताव में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सभ्यतागत मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान किया गया है। इस अवसर पर सांसदों ने अहिंसा और स्वतंत्रता के प्रतीक महात्मा गांधी के विचारों और विरासत को विशेष रूप से याद किया। न्यूयॉर्क के विकास, अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अमूल्य योगदान की सराहना की गई है। इस प्रस्ताव का पारित होना अमेरिका और भारत के बीच सुदृढ़ होते द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग का शानदार प्रतीक है।

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री ...

दिलाई। इस अवसर पर देशभर के क ई प्रमुख राजनीतिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डी.के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। वर्षों के राजनीतिक संघर्ष, संगठनात्मक नेतृत्व और लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे डी.के. शिवकुमार ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर गंगाधर अज्जैया के नाम पर शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के बाद उन्होंने राज्य के समग्र विकास, सुशासन, सामाजिक न्याय और जनकल्याण को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई की मां का 96 साल की उम्र में निधन

गुवाहाटी (हिंस)। रायजोर दल के प्रमुख और शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई की मां प्रियदा गोगोई का बुधवार सुबह गुवाहाटी में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 96 साल की थीं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, प्रियदा गोगोई लंबे समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों का इलाज करवा रही थीं और सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पूरे असम में राजनीतिक नेताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों की ओर से शोक संवेदनाओं का तांता लग गया है। अखिल गोगोई अपनी मां के अंतिम पलों में उनके पास मौजूद थे और काफी भावुक नजर आ रहे थे। राज्य सरकार के मुखर विरोधी और जनहित के मुद्दों पर अपनी सक्रियता के लिए जाने जाने वाले इस अनुभवी विधायक ने इस क्षति को एक गहरा निजी दुख बताया। उनके पार्थिव शरीर को जोरहाट जिले के मोरियानी के पास सेलेनघाट ले जाया जा रहा है, जहां परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और समर्थकों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रियदा गोगोई ने अपने बेटे की राजनीतिक यात्रा में, खासकर 2021 के असम विधानसभा चुनावों के दौरान, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय जब अखिल गोगोई सीएए विरोधी प्रदर्शनों के सिलसिले में जेल में बंद थे और शिवसागर निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे, तब वह उनके सबसे दृढ़ प्रचारकों में से एक बनकर उभरी थीं। बढ़ती उम्र के बावजूद, प्रियदा गोगोई ने कथित तौर पर घर-घर जाकर अपने बेटे के लिए समर्थन मांगा और मतदाताओं से उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने सार्वजनिक रूप से उनकी जेल से रिहाई की मांग भी की थी। उनके प्रयासों को अखिल गोगोई के लिए समर्थन जुटाने में काफी श्रेय दिया गया। अखिल गोगोई ने शिवसागर से एक ऐतिहासिक जीत हासिल की और बाद में असम विधानसभा में विपक्ष की एक प्रमुख आवाज बनकर उभरे। विभिन्न दलों के राजनीतिक नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मिशन स्नेहजोरी से असम के मूगा उद्योग को मिलेगी नई गति : पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री विदेश एवं कपड़ा राज्यमंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि असम के पारंपरिक मूगा रेशम उद्योग को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 411 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी *मिशन मूगा सिल्क-स्नेहजोरी* योजना शुरू की है। यह पहल असम सरकार और डोनर मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से लागू की जा रही है। उन्होंने बुधवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि तीन वर्षों तक चलने वाली इस परियोजना का उद्देश्य असम के विश्व प्रसिद्ध स्वर्णिम मूगा रेशम उद्योग का आधुनिकीकरण कर उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी लक्जरी टेक्सटाइल क्षेत्र के रूप में विकसित करना है। इस मिशन से राज्य के लगभग 2.6 लाख बुनकरों, रेशम पालकों और उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। मार्घेरिटा ने कहा कि योजना के तहत असम में पांच आधुनिक मूगा रीलिंग इकाइयों की स्थापना की जाएगी तथा धेमाजी में एक समर्पित मूगा स्पन सिल्क मिल स्थापित की जाएगी। इसके साथ ही मूगा उत्पादन के लिए आवश्यक सोम और सोआलू पौधों के 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र का पुनर्जीवन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिशन का लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाना, मूगा रेशम के निर्यात को प्रोत्साहित करना तथा मूगा धागे के मूल्य में वृद्धि करना है। ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने के लिए 1,180 किसान हित समूह (एफआईजी) और 30 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) गठित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि असम के मूगा रेशम की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर आधारित डिजिटल ट्रेसबिलिटी और जीआई प्रमाणीकरण प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में खरीदारों का विश्वास बढ़ेगा। साथ ही पारंपरिक मूगा उत्पादों को आधुनिक वैश्विक मांग के अनुरूप विकसित करने के लिए एक विशेष मूगा डिजाइन इनोवेशन लैब भी स्थापित की जाएगी। यह क्लस्टर आधारित योजना राज्य के प्रमुख मूगा उत्पादक क्षेत्रों जैसे जोरहाट, शिवसागर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, माजुली और सुवालकुची में लागू की जाएगी, जिससे असम की मूगा रेशम परंपरा को नई पहचान और वैश्विक बाजार में मजबूत स्थान मिल सकेगा।

रंगिया : दहेज उत्पीड़न के आरोपी पति को महिला संगठन ने दबोचा, पुलिस को सौंपा

रंगिया (विभास)। दहेज उत्पीड़न और पत्नी से धोखाधड़ी के मामले में पिछले छह महीने से फरार चल रहे आरोपी राहुल अली को रंगिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की विफलता के बाद स्थानीय महिला संगठन *गृहलक्ष्मी महिला कल्याण समाज* ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को चांगसारी से पकड़ा और उसे रस्सी से बांधकर रंगिया थाने ले आई, जहां उसे कानून के हवाले कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रंगिया के मोराजान निवासी राहुल अली करीब डेढ़ वर्ष पूर्व अपने ही गांव की एक युवती को शादी का झांसा देकर भगा ले गया था। बताया जा रहा है कि शादी के कुछ समय बाद ही राहुल और उसके परिजनों ने दहेज की मांग को लेकर विवाहिता पर मानसिक और शारीरिक अत्याचार शुरू कर दिया। इस बीच आरोपी ने अपनी गर्भवती पत्नी पर जबरन गर्भपात कराने का भी दबाव बनाया। आखिरकार छह महीने पहले वह पत्नी को मायके भेजकर खुद लापता हो गया था। पीड़ित पत्नी ने रंगिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस उसका सुराग नहीं लगा पा रही थी। निराश होकर पीड़िता ने *गृहलक्ष्मी महिला कल्याण समाज* से मदद मांगी। संगठन की महिलाओं को सूचना मिली कि राहुल चांगसारी के गौरीपुर में एक निजी कंपनी में सुरक्षाकर्मी के रूप में काम कर रहा है। महिलाओं ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथों दबोच लिया और गाड़ी में बैठाकर सीधे थाने ले आईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विश्वनाथ में शहीद कैप्टन गौतम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण

बिश्वनाथ (विभास)। देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर सेना अधिकारी कैप्टन गौतम शर्मा की स्मृति में स्थापित प्रतिमा का आज बिश्वनाथ के बाघमारा में आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने किया। प्रतिमा को प्रख्यात मूर्तिकार मंजीत हाजरिका (मूर्तिकार मंजित) ने खूबसूरती और पूर्णता से तराशा है। 1982 में जन्मे कैप्टन गौतम शर्मा का बचपन से ही देश की सेवा करने का सपना था। उन्होंने 2004 में भारतीय सेना की 8वीं जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैंट्री में शामिल होकर स्वयं को देश की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें कर्तव्यनिष्ठा, साहस, अनुकरणीय नेतृत्व और शस्त्र संचालन में उत्कृष्ट दक्षता के लिए *फोर्स कमांडर का प्रशस्ति पत्र* प्राप्त हुआ। सैन्य जीवन में उनके साहस और कौशल ने उन्हें अपने सहयोगियों के बीच विशेष सम्मान अर्जित की थी। 3 जून 2007 को, जम्मू और कश्मीर के आबाद गुटुर क्षेत्र में एक सैन्य अभियान चलाते समय, बहादुर सेना अधिकारी रस्सी की मदद से एक पहाड़ी चट्टान को पार करने की कोशिश करते समय एक गहरी खाई में गिर गया। शहीद के पिता प्रफुल शर्मा और माता मामोनी शर्मा ने अपने बेटे की स्मृति को अमर रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने माज बाघमारा में उस जमीन पर प्रतिमा का निर्माण कराया है, जिसे उन्होंने अपने बेटे के पहले वेतन से खरीदा था। इस कार्यक्रम में मूर्तिकार मनजीत हजारिका, कई गणमान्य व्यक्ति, पूर्व सेना अधिकारी, परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने कैप्टन गौतम शर्मा की वीरता, समर्पण और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और आदर्श नई पीढ़ी को देशभक्ति, साहस और जिम्मेदारी की भावना सिखाते रहेंगे। यह प्रतिमा शहीद कप्तान गौतम शर्मा के गौरवशाली जीवन, देशभक्ति और बलिदान की एक स्थायी स्मृति होगी।

दो साल बाद स्वर्ग के देवता भी गुवाहाटी को देखकर ठहर जाएंगे : प्रद्युत बरदलै

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी को एक हरित और आकर्षक महानगर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से विधायक प्रद्युत बरदलै ने कहा है कि आगामी दो वर्षों में शहर की सुंदरता ऐसी होगी कि *स्वर्ग के देवता भी गुवाहाटी को देखकर ठहर जाएंगे*। विधायक ने बुधवार को मीडिया से बातचीत करते हुए गुवाहाटी के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक लाख एजार और कचनार के पौधे लगाने की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस व्यापक वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से शहर के पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने के साथ-साथ इसकी प्राकृतिक सुंदरता को भी नई पहचान दी जाएगी। बरदलै ने बताया कि गुवाहाटी को *पर्पल सिटी* के रूप में विकसित करने की दिशा में यह विशेष पहल की जा रही है। उनका मानना है कि बड़े पैमाने पर लगाए जाने वाले फूलदार वृक्ष शहर को एक विशिष्ट और आकर्षक स्वरूप प्रदान करेंगे। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही गुवाहाटी को स्वच्छ, हरित और सुंदर शहर के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

तीन दिनों तक दिल्ली में राज्य के मुख्यमंत्री 20 से अधिक बैठकों में हुए शामिल : मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने तीन दिवसीय नई दिल्ली दौरे के दौरान केंद्र सरकार के शीर्ष नेताओं के साथ 20 से अधिक महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया। इन बैठकों में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री तथा डोनर मंत्री सहित कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री शामिल रहे। केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने असम के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न मंत्रालयों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठकों में राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति तथा भविष्य में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर असम के लिए अधिक से अधिक विकासात्मक सहयोग सुनिश्चित करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। इस दौरान बुनियादी ढांचे, संपर्क व्यवस्था, निवेश तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। पवित्र मार्घेरिटा के अनुसार, इन बैठकों से राज्य और केंद्र के बीच सहयोग और मजबूत होगा तथा असम में विभिन्न विकास परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

रोहा टोलगेट पर मवेशियों से भरा वाहन जब्त

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रहा टोलगेट पर पुलिस ने मवेशियों से भरे एक वाहन को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक समेत कई अन्य लोग मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब्त वाहन के अंदर 12 गायों को रस्सियों से बांधकर ले जाया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में वाहन को रोककर जांच की गई, जिसके बाद मवेशियों को बरामद किया गया। घटना के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक और अन्य संबंधित व्यक्तियों की तलाश शुरू कर दी है। बरामद मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया जारी है।

नशे के खिलाफ फूटा लोगों का गुस्सा कथित ड्रग्स तस्कर के घर में तोड़फोड़

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के हेरापति-तनपाड़ा क्षेत्र में बुधवार को नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए एक कथित ड्रग्स तस्कर के घर में तोड़फोड़ की, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। प्रदर्शनकारियों ने शमसुल हक नामक व्यक्ति पर क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का संचालन करने का आरोप लगाया। आक्रोशित भीड़ ने उसके आवास को निशाना बनाते हुए व्यापक क्षति पहुंचाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार पुलिस को क्षेत्र में नशे के कारोबार और इससे जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायतें दी थीं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि नशे की समस्या के कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और प्रशासन की कथित निष्क्रियता के चलते लोगों में असंतोष लगातार बढ़ रहा था। इसी नाराजगी के बीच लोगों ने विरोध प्रदर्शन को उग्र रूप दे दिया। उल्लेखनीय है कि नगांव जिले में हाल के महीनों में नशे के खिलाफ जनाक्रोश की कई घटनाएं सामने आई हैं। इससे पहले मोखखुली क्षेत्र में भी लोगों ने कथित नशा कारोबारियों और नशेड़ियों के घरों में तोड़फोड़ की थी। वहीं, डाकोवाल क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध ड्रग्स ओवरडोज से मौत के बाद भी स्थानीय लोगों ने कथित नशा अड्डों को ध्वस्त कर दिया था। घटना के बाद प्रशासन ने हेरापति-तनपारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। हालांकि, अंतिम समाचार मिलने तक पुलिस की ओर से इस मामले में किसी की गिरफ्तारी या आधिकारिक बयान की पुष्टि नहीं की गई थी।

समाजसेवी अबू सालेह का निधन

धुबड़ी (विभास)। जिले के गौरीपुर के प्रतिष्ठित समाजसेवी अबू सालेह का 80 वर्ष के आयु में निधन हो गया। उन्होंने 1983 में अपनी निजी भूमि दान करके अपने पिता मुजीबुर रहमान के नाम पर एक प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की थी। बाद में 1991 में इस विद्यालय का सरकारी कारण हुआ और वर्तमान में इसे *2402* नंबर मुजीबुर रहमान मेमोरियल स्कूल के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने 1970 के दशक में अपने गांव भेड़भेरी में बिजली लाने और शिक्षा का प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अपने धार्मिक सद्भाव के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने मंदिरों और मस्जिदों के विकास में सक्रिय रूप से सहायता भी की थी। वह अपने पीछे पत्नी, तीन बेटे, बहू और पोते-पोतियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं तथा उनके जेष्ठ पुत्र आशीकुर रहमान एक पत्रकार भी है।

रंगिया : पर्यावरण दिवस पर मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जेसीआई रंगिया रॉयल्स एवं मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का मुख्य विषय *पर्यावरण* रखा गया, ताकि बच्चों को कला के माध्यम से प्रकृति की महत्ता के प्रति जागरूक किया जा सके। यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित हुआ-कक्षा 1 से 5 (ग्रुप ए), कक्षा 6 से 8 (ग्रुप बी), एवं कक्षा 9 व 10 (ग्रुप सी)। प्रतियोगिता में स्कूल के 350 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और वे सभी उत्साहपूर्वक अपनी कलाकृतियों को प्रस्तुत करते दिखाई दिए। आयोजन को सफल बनाने में जेसीआई रंगिया रॉयल्स की अध्यक्ष प्रियल क्याल, सचिव श्वेता जाजोदिया, शोभा अग्रवाल, पुनीत क्याल सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं विद्यालय की ओर से प्रधानाचार्य डॉ. देव कुमार दत्त, उप-प्रधानाचार्य सुजीत चक्रवर्ती तथा सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। आयोजकों ने बताया कि निर्णायक के रूप में दो अनुभवी जजों को नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा सभी शीटों की जांच पूरी करने के बाद परिणाम की घोषणा आगामी 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस पर की जाएगी। प्रत्येक ग्रुप में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

बीटीसी भूमि संरक्षण विभाग की कार्यप्रणाली में आएगी तेजी

कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय ने की समीक्षा बैठक

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीसी (बीटीसी) सरकार के अंतर्गत भूमि संरक्षण विभाग के कामकाज को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गतिमान बनाने के उद्देश्य से कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय ने आज कोकराझाड़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की और विभागीय कामकाज की प्रगति का जायजा लिया। कार्यकारी सदस्य करमेश्वर राय ने अपने दौरे की शुरुआत भूमि संरक्षण विभाग के सीएचडी कार्यालय और कोकराझाड़ जिला डीओ कार्यालय के औचक निरीक्षण से की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यशैली और फाइलों के रखरखाव की स्थिति को बारीकी से परखा। निरीक्षण के उपरांत, विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित उच्च-स्तरीय बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में वर्तमान में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति और लंबित परियोजनाओं के शीघ्र निपटान पर विशेष जोर दिया गया। समयबद्ध निष्पादन: ईएम करमेश्वर राय ने सख्त निर्देश दिए कि विभागीय फाइलों और निर्माणाधीन कार्यों को एक तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि जनता को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। विभाग के दैनिक कामकाज को अधिक सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए नई कार्यप्रणाली अपनाने पर सहमति बनी। जनहित सर्वोपरि: उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र की भूमि संरक्षण संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। आम जनता को मिलने वाली सेवाओं को सुगम बनाना विभाग का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने अपने कार्यों में आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उपलब्धियों को साझा किया। कार्यकारी सदस्य के मार्गदर्शन में विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए एक ठोस रणनीति तैयार की गई। अधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे आने वाले समय में विभाग की कार्यप्रणाली में अधिक जवाबदेही और तत्परता लाएंगे, जिससे आम नागरिकों को सीधे लाभ मिल सके। इस समीक्षा बैठक को क्षेत्र के विकास कार्यों में गति लाने के लिए एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

एसएसबी ने सीमावर्ती ग्रामीणों के जीवन में फैलाई रोशनी, स्ट्रीट लाइटों का किया वितरण

कोकराझाड़ (विभास)। भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सुरक्षा के साथ-साथ जनसेवा की मिसाल पेश की है। छठी वाहिनी एसएसबी, रानीगुली द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक विशेष सामुदायिक कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। छठी वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट श्री रवींद्र कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक कमांडेंट श्री महामृत्युंजय कुमार पाठक ने किया। सीमा चौकी तुकराबस्ती के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले तुकराबस्ती और सोनापुर गांव में आयोजित इस शिविर में स्थानीय ग्रामीणों को स्ट्रीट लाइटें वितरित की गईं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना और लोगों को स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। स्ट्रीट लाइट लगने से न केवल गांव की सड़कों पर सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीणों का दैनिक जीवन भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित होगा। इस नेक कार्य के लिए ग्रामीणों ने एसएसबी का हृदय से आभार व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि एसएसबी द्वारा की गई यह पहल सीमावर्ती जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाएगी। ग्रामीणों ने कहा कि बल के इस मानवीय दृष्टिकोण ने उनके और सुरक्षा बलों के बीच के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया है। सशस्त्र सीमा बल अपनी पारंपरिक भूमिका यानी सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती आबादी के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी निरंतर तत्पर है। बल द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले ऐसे नागरिक कल्याण और जनजागरूकता कार्यक्रम स्थानीय जनता के साथ सौहार्दपूर्ण तालमेल स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बंगाईगांव। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा द्वारा नेताजी हिंदी विद्यापीठ विद्यालय, बीजी कॉलोनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल एवं सचिव धीरज शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तंबाकू एवं नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। मंच के सदस्यों ने बच्चों को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज में भी जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच चॉकलेट एवं जूस का वितरण किया गया। विद्यालय प्रशासन ने मारवाड़ी युवा मंच के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

> देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी की कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि

सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है। इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एनक्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एनक्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है। सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

> नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है।

कुछ अलग

पीएं पिलाएं, डिसेंट्री भगाएं

बंधुओ! जैसा कि मुझे मीडिया की खबरों से अभी अभी पता चला है कि इस वक्त लोक से लेकर परलोक गर्मी की भयंकर समस्या से जूझ रहा है। लेकिन इस विकट परिस्थिति में भी घबराएं मत! हर विकट परिस्थिति की तरह इस बार भी पूरी की पूरी सरकार आपके साथ है। सरकार जिधर भी देख रही है, उसके लोकवासी लू से परेशान हैं। लेकिन खुशी की बात है कि अब मेरे लोकवासी हर परेशानी का हिम्मत से सामना करना सीख गए हैं। उन्हें पता है कि इस लोक में समस्याएं अब आम हैं। वह समस्या चाहे पुल गिरने की हो, बढ़ती बेरोजगारी की हो, बढ़ती महंगाई की हो या फिर पेपर लीक होने की। पुल गिरने पर चर्चा तो अगला पुल गिरने पर भी हो जाएगी। पेपर लीक पर चर्चा तो अगला पेपर लीक होने पर भी हो जाएगी। महंगाई पर चर्चा तो रोज रोज होती ही रहती है। इसलिए इस वक्त की गर्मी में गर्मी पर चर्चा के सिवाय किसी और पर चर्चा करना उचित नहीं। क्योंकि यह फिर साल बाद आएगी। गर्मी में गर्मी पर चर्चा करने के बदले पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा न करना विपक्ष की भाषा में लोकमानस को मूल मुद्दों से भटकाना मत समझिएगा। मित्रो! परेशानियों को इग्नोर करना परेशानियों पर विजय प्राप्त करने का अचूक अस्त्र है। जब कोई किसी को दिन-रात परेशान करता रहे, तब यही बेहतर होता है कि वह उसके बारे में सोचना बंद कर दे। जब हम हमें परेशान करने वाले के बारे में सोचेंगे ही नहीं तो वह हमें खाक परेशान करेगा? उल्टा सोचता रहेगा कि हद है यार! मैं इस बंदे को इतना परेशान कर रहा हूं और एक ये बंदा है कि मेरे द्वारा खड़ी की परेशानियों से तनिक भी परेशान नहीं हो रहा। ये आदमी है या गधा!

देश दुनीया से

भारतीय भूमि अतिक्रमण मुद्दे पर घिरे बालेन्द्र

गत 27 मार्च को पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक बार भी संघीय संसद को संबोधित नहीं किया था—यहां तक कि अनिवार्य साप्ताहिक प्रश्न-उत्तर सत्रों के दौरान भी नहीं। उनकी चुप्पी तोड़ने और विधायिका के प्रति जवाबदेही दिखाने का दबाव उन पर लगातार बढ़ रहा था। और फिर रविवार को जब बालेन्द्र शाह संसद में बोले, सभी सन्नाटे में आ चुके थे। उन्होंने अपने आलोचकों को शांत करने के बजाय, मानो डंक मारने वाली मधुमक्खियों का एक झुंड ही छोड़ दिया। जिसे अंग्रेजी में 'पैंडोरा बॉक्स खोलना' कहते हैं। संसद में दो अलग-अलग सवालों का जवाब देते हुए, शाह ने सबसे पहले कहा कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद को सुलझाने के लिए भारत के साथ प्रयास जारी हैं। लेकिन, फिर उन्होंने यह भी जोड़ा कि न केवल भारत ने नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि भारत के साथ मौजूदा सीमा विवादों में से कई की जड़ें 1816 में ब्रिटिश भारत के साथ हुई सुगौली संधि में हैं, इसलिए उनकी सरकार भारत-नेपाल सीमा चर्चाओं में ब्रिटिश पक्ष को शामिल करने की कोशिश कर रही है। काठमांडू पोस्ट जैसा अखबार भी इस बयान से हैरान था। अगले दिन के सम्पादकीय में अखबार लिखता है— 'सीमा विशेषज्ञों के साथ-साथ उन वरिष्ठ पूर्व सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की है, ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जिसमें भारत ने कभी 'नेपाली अतिक्रमण' का मुद्दा उठाया हो। इसलिए, प्रधानमंत्री का यह बयान भविष्य की सीमा वार्ता में भारत के पक्ष को मज़बूत करता है।' कोई राष्ट्रीय अख़बार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करे, तो यह उभयपक्षीय हितों के लिए अच्छा नहीं है। भारत से यदि भूमि विवाद नहीं होता, तो 'बाउंडरी वर्किंग ग्रुप' का गठन क्यों किया गया? संयुक्त तकनीकी समिति ने लगभग 26 वर्षों तक कार्य किया। यह दावा किया गया कि सीमा संबंधी 97 प्रतिशत समस्याओं का समाधान कर लिया गया। शेष तीन प्रतिशत का समाधान करना उनकी क्षमता से परे था। उसमें कालापानी-

लिम्पियाधुरा शामिल है—जो 370 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा अतिक्रमण है; इसके अलावा 24 किलोमीटर का सुस्ता क्षेत्र और लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्रफल वाले अन्य स्थान भी इसमें हैं। कुल मिलाकर, ऐसे लगभग 71 स्थान हैं जो 606 वर्ग किलोमीटर का कुल क्षेत्रफल घेरते हैं। इस स्थिति के बने रहने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक, सीमांकन के लिए पुराने मानचित्रों और दस्तावेजों की अनुपलब्धता है। काश! काठमांडू पोस्ट ने बुद्धि नारायण श्रेष्ठ की पुस्तक 'द नेचुरल एनवायरनमेंट्स एंड द शिफ्टिंग बॉर्डर्स ऑफ नेपाल' में बर्नार्डो माइकल द्वारा की गई टिप्पणी पर ग़ौर किया होता, 'आज भी, भारत और नेपाल के बीच सीमा विवादों की उपस्थिति यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आधुनिक सीमाओं के निर्धारण की यह परियोजना सदैव एक 'अधूरी परियोजना' ही बनी रहेगी।' नेपाल के लिए मुश्किल यह है कि लिपुलेख के मुद्दे पर चीन उसके साथ नहीं खड़ा है। लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन भारत का है, उसकी पुष्टि 15 मई, 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की राजकीय यात्रा के दौरान हुआ व्यापार समझौता है। यह भारत और चीन के बीच एक द्विपक्षीय समझौता था, जिस पर चीनी प्रधानमंत्री ली कछियांग के साथ पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें औपचारिक रूप से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पर सहमति बनी थी। 41-सूत्री संयुक्त बयान के बिंदु 28 में लिपुलेख दर्रे (कियांगला) को औपचारिक रूप से एक द्विपक्षीय सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी। तब नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि भारत और चीन ने उसकी सहमति के बिना, उसके दावे वाले क्षेत्र से होकर व्यापार करने पर बातचीत की है। बाद के दिनों में नेपाल के तीन प्रधानमंत्रियों केपी शर्मा ओली, प्रचंड और शेर बहादुर देउबा ने लिपुलेख-लिम्पियाधुरा के बॉल को जमकर खेला। बालेन्द्र शाह से पहले पीएम ओली इस मुद्दे को उठाने 3 सितम्बर, 2025 को पेइचिंग में आहूत थिएनमान चौक विजय दिवस समारोह तक गए लेकिन, चीनी सत्ता प्रतिष्ठान ने उसे अनसुना कर दिया। चीन और भारत तय कर चुके थे कि लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन के बरास्ते जून, 2026 में उभयपक्षीय व्यापार होना है। बहरहाल, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी क़ब्ज़ा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन-किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है। कई सांसद यह चाह रहे हैं कि संसद के रिकार्ड से यह बयान स्पन्ज किया जाये। लेकिन, जुबान से निकली बात और कमान से छूटे तीर की वापसी नहीं हो सकती। नेपाली मीडिया भी हतप्रभ है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट प्रधानमंत्री शाह के बयान को अपरिपक्व मानते हुए लिखता है, 'अगर उन्होंने 'अतिक्रमण' शब्द के बजाय 'सीमा-पार के कब्जे' शब्द का इस्तेमाल किया होता, तो कोई विवाद नहीं होता। दूसरा, नेपाल और भारत के बीच उभयपक्षीय मामले में ब्रिटेन को शामिल करने की इच्छा भी गलत है। भारत ने बार-बार कहा है कि वह बाउंडरी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को कभी नहीं कबूल करेगा, चाहे वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश या नेपाल के साथ हो।'

आप का नजरीया

किससे तुलना करें तुम्हारी?

बेशक आरसीबी को लगातार, दोबारा आईपीएल चैंपियन बनाने में 'विराट किंग' कोहली का सर्वश्रेष्ठ योगदान रहा है। विराट रिटायरमेंट की दहलीज के भीतर आ चुके हैं। टेस्ट और 'ताबड़तोड़' टी-20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुके हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां गेंद और बल्ले के समन्वय धुंधलाने लगते हैं। शॉट्स गलत साबित होने लगते हैं। विराट ने इन विरोधाभासों और अवरोधों को पछाड़ते, नकारते हुए आईपीएल, 2026 में 675 रन ठोंके हैं। एक शतक और पांच अद्र्धशतक तथा 56 से अधिक का औसत... ! निश्चित ही वह 'विराट' और अतुलनीय हैं, लेकिन यह टूर्नामेंट एक 15-वर्षीय किशोर बल्लेबाज की विस्फोटकता की चर्चा के बिना अधूरा ही रहेगा। वह अद्भुत बालक है-वैभव सूर्यवंशी। वास्तव में वैभव ही आईपीएल, 2026 के 'उन्नायक खिलाड़ी' हैं। उन्हें टूर्नामेंट का 'बेशकीमती खिलाड़ी' (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट), सबसे उभरता हुआ खिलाड़ी, दिग्गज खिलाडियों की मौजूदगी के बावजूद 72 छक्कों का 'किंग', सबसे जानदार, शानदार, झन्नाटेदार स्ट्राइक रेट, 'ओरेंज कैप' विजेता (आश्चर्यजनक 776 रन), जिसमें एक शतक के अलावा 97, 96 रनों की दो पारियां भी शामिल हैं, उन्हें घोषित किया गया। सम्मान में कुल 3.10 करोड़ रुपए दिए गए। टाटा सिएरा कार भी मिली। यह राशि तब बनी है, जब वैभव की अनुबंध राशि 1.10 करोड़ रुपए और प्रति मैच फीस 7 लाख रुपए थी। अगले साल उनकी आईपीएल कीमत क्या होगी, आप कल्पना कर सकते हैं। 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन की टिप्पणी सटीक और सार्थक है कि इस उम्र में वह कंचे, गुल्ली-डंडा जैसे खेल भी अच्छी तरह नहीं खेल पाते थे। यह सार्वभौमिक सत्य लगता है, क्योंकि हमने मंसूर अली खां पटौदी, सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, सहवाग, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव से लेकर मौजूदा दौर के युवा छक्केबाजों का खेल निरंतर देखा है। यकीनन सभी मूल्यवान, अतुलनीय खिलाड़ी रहे हैं और आज भी हैं, लेकिन 15 साल का वैभव वाकई 'अद्वितीय' है। क्या आईपीएल के एक सत्र में 72 छक्कों की कल्पना की गई थी? वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 59 छक्के 'चुनौतीहीन' लगते थे और गेल एक अनुभवी बल्लेबाज भी थे, लेकिन 15 साल की उम्र और 145, 150 किमी. की गति वाली, तूफानी गेंदबाजों की, गेंदों पर एक बालक के धुआंधार छक्के....वाकई करिश्मा लगता है! सचमुच 'अकल्पनीय' है यह! किसने गढ़ा है इस 'धुरंधर' बल्लेबाज को..? आखिर उसकी तुलना किस महान खिलाड़ी से करें? क्रिकेट में छक्कों के विश्व चैंपियन रोहित शर्मा हैं। आंकड़ों में वह भी इस 'बालक छक्केबाज' से पीछे हैं। बहरहाल कुदरत ने कुछ खेल-प्रतिभाएं, कुछ सनसनीखेज खिलाड़ी, भारत की झोली में बख्शे हैं। वे सभी हमारी धरोहरें हैं, कीर्तिमान हैं, देश की आन-बान-शान हैं। इन्हें सहेज कर रखना है और वैश्विक स्तर पर तराशते रहना है। आजकल विश्व शतरंज में दिव्या देशमुख, विश्व चैंपियन गुकेश, चैंपियनों को धूल चटाने वाले प्रज्ञाननंदा, युवा सनसनी चिदंबरम की खूब चर्चा है। उन्होंने भारत को, खासकर तमिलनाडु को, शतरंज का गढ़ बना दिया है। उनके अलावा 100 मीटर दौड़ में धावक गुरिंदरवीर सिंह ने महानतम मिल्खा सिंह की स्मृतियां ताजा कर दीं। उन्हें 'भारत का बोल्ट' कहा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने यह दौड़ मात्र 10 सेकंड्स में पूरी की। बैडमिंटन में साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, महानतम प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, किदांबी श्रीकांत की नई पीढ़ी में आयुष शेट्टी, दिव्या, उन्नति हुड्डा, मालविका सरीखे नवोदित चैंपियन सामने आए हैं। हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती आदि खेलों में कई नए चेहरे, नए चैंपियन पहलवान आज हमारी 'सांस्कृतिक संपदा' हैं। वैभव भी इसी जमात के क्रिकेटर हैं। होनहार खिलाडियों की सूची बहुत लंबी है, लिहाजा सभी का नाम देना संभव नहीं है, लेकिन यह देश के लिए चुनौती भी है। भारत अंतरराष्ट्रीय, खासकर ओलिंपिक खेलों में, बहुत पिछड़ा देश रहा है।

> विराट रिटायरमेंट की दहलीज के भीतर आ चुके हैं। टेस्ट और 'ताबड़तोड़' टी-20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुके हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां गेंद और बल्ले के समन्वय धुंधलाने लगते हैं। शॉट्स गलत साबित होने लगते हैं। विराट ने इन विरोधाभासों और अवरोधों को पछाड़ते, नकारते हुए आईपीएल, 2026 में 675 रन ठोंके हैं। एक शतक और पांच अद्र्धशतक तथा 56 से अधिक का औसत... ! निश्चित ही वह 'विराट' और अतुलनीय हैं, लेकिन यह टूर्नामेंट एक 15-वर्षीय किशोर बल्लेबाज की विस्फोटकता की चर्चा के बिना अधूरा ही रहेगा। वह अद्भुत बालक है-वैभव सूर्यवंशी। वास्तव में वैभव ही आईपीएल, 2026 के 'उन्नायक खिलाड़ी' हैं। उन्हें टूर्नामेंट का 'बेशकीमती खिलाड़ी' (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट), सबसे उभरता हुआ खिलाड़ी, दिग्गज खिलाडियों की मौजूदगी के बावजूद 72 छक्कों का 'किंग', सबसे जानदार, शानदार, झन्नाटेदार स्ट्राइक रेट, 'ओरेंज कैप' विजेता (आश्चर्यजनक 776 रन), जिसमें एक शतक के अलावा 97, 96 रनों की दो पारियां भी शामिल हैं, उन्हें घोषित किया गया। सम्मान में कुल 3 .10 करोड़ रुपए दिए गए। टाटा सिएरा कार भी मिली।

दृष्टि कोण

पति-पत्नी के बीच टकराव क्यों?

अनेक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ पतियों द्वारा पत्नी को नियंत्रित करने या उन पर अनुचित रोक-टोक लगाने की कोशिश अक्सर रिश्ते में तनाव, असुरक्षा और अलगाव का कारण बन रही है। यह एक सामाजिक चिंतन का विषय है। पतियों द्वारा पत्नी को कंट्रोल करने के दृष्टिकोण और इसके परिणामों को मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण से देखना महत्त्वपूर्ण है। देखने में आ रहा है कि कई बार पति जाने-अनजाने में या जानबूझकर पत्नी को ज्यादा नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि पत्नी के व्यक्तिगत फैसलों, करियर या कपड़ों पर अनुचित रोक-टोक लगाना। पत्नी को घर के खर्च या उसकी अपनी कमाई पर निर्णय न लेने देना। पत्नी को अपने परिवार, मायके या दोस्तों से मिलने से रोकना। पत्नी के फोन, सोशल मीडिया या दिनचर्या पर बेवजह नजर रखना। डार्क मनोविज्ञान के अनुसार अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेडियों में जकड़ सकता है तो ये ठीक नहीं है। सनद रहे कि पति-पत्नी जिंदगी की गाड़ी के दो पहिए होते हैं। अगर एक भी कमजोर पड़ा तो गाड़ी बेकार हो जाती है। वहीं आज का समय तो ऐसा है कि पति-पत्नी, दोनों को ही साथ मिलकर चलना होता है। ऐसे में अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेडियों में जकड़ सकता है तो ये पूरी तरह से गलत है। अपनी पत्नी पर नामुनासिब रोक-टोक करने से पति सिर्फ और सिर्फ अपना नुकसान करेंगे। अगर एक पति होने के नाते आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आप अपने कंट्रोलिंग नेचर को कैसे काबू में करें, तो आपको गंभीरता से सोचना चाहिए। अगर आप चाहते हैं कि आपकी शादीशुदा जिंदगी अच्छे से चलती रहे तो आपको ये समझने की जरूरत है कि अगर आप अपनी पत्नी को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे तो आपका रिश्ता खराब हो सकता है। बेहतर है कि आप पत्नी को वैचारिक तौर पर फ्री छोड़ें ताकि आपका रिश्ता खुलकर सांस ले सके। महिला स्वाभिमान का प्रश्न है। यह आपको इस बात का ख्याल रखना है कि आपकी पत्नी का भी किसी बात पर अपना विचार हो सकता है। ऐसे में

उसकी कही गई किसी भी बात को नजरअंदाज करने की बजाय उनकी बात को ध्यान से सुनें। उन्हें ये एहसास कराएं कि उनका किसी भी बात में अपनी बात रखना उतना ही जरूरी है जितना आपका पति होने के कारण है। कुछ पतियों को लगता है कि पत्नी के आत्मनिर्भर या अधिक स्वतंत्र होने से उनका वर्चस्व कम हो जाएगा। पितृसत्तात्मक सोच के कारण कुछ पुरुष यह मान लेते हैं कि पत्नी पर उनका अधिकार है। याद रहे पत्नी पति की खरीदी हुई संपत्ति तो नहीं होती, न ही पति कोई किसी रजिया सुल्तान का गुलाम होता है। बातचीत की कमी और एक-दूसरे के विचारों को न समझ पाना भी एक बड़ी समस्या है। पत्नी को नियंत्रित करने की कोशिश करने से वैवाहिक बंधन कमजोर हो जाता है और पति को नियंत्रित करना भी घर में अशांति, मानसिक तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा कर देता है। इसका खुशनुमा हल यह है कि समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाएं और एक-दूसरे की बात सुनें। क्या गलत है, पति-पत्नी एक-दूसरे के व्यक्तिगत स्पेस और स्वतंत्रता का सम्मान करें। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मर्द ही औरतों को कंट्रोल करके रखना चाहते हैं, आजकल महिलाओं में भी ऐसा बर्ताव देखने को मिल रहा है। मनोविज्ञान कहता है कि पति को कंट्रोल करके रखने वाली पत्नियां तर्क-वितर्क में बेहद तेज होती हैं। मतलब उनसे बहसबाजी में जीत पाना मुश्किल होता है। वो कहीं न कहीं से कोई बात निकालकर खुद को सही और आपको गलत साबित करके ही दम लेती हैं। अगर ऐसा है, तो समझ जाएं कि पत्नी आपको नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

कैबिनेट मंत्री के गांव में पानी मांगने पर ग्रामीणों पर एफआईआर

राजकार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कसा तंज

जोधपुर (हिंस)। भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों द्वारा कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल के लूणी विधानसभा क्षेत्र के धुंधाड़ा गांव में पानी की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के बाद मामल ने तूल पकड़ गया है। प्रदर्शन को लेकर जलदाय विभाग के सहायक अभियंता ने ग्रामीणों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करवाया है। पानी की मांग पर मामला दर्ज होने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पानी मांगोगे तो जेल जाओगे। दरअसल एक सप्ताह पहले पानी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने धुंधाड़ा गांव में प्रदर्शन किया था। इस दौरान महिलाओं ने विरोध स्वरूप मटकिया फोड़ी थीं। इसको लेकर सहायक अभियंता ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि ग्राम धुन्धाडा में लगभग 60 प्रतिशत गांव की पेयजल सप्लाई 14, 15, 16, 24 और 25 मई को कर दी थी। बची हुई आपूर्ति 27, 28 मई को होनी थी। लेकिन 27 मई की सुबह जानबूझकर कुछ व्यक्ति विशेषों ने बिना किसी अनुमति के पानी नहीं आने की बात बताकर रास्ता रोक राजकार्य में बाधा पहुंचाई थी। इस मामले में हनुमान राम, शांतिलाल माली, हीराराम मीणा, रमेश माली, ओमाराम मेघवाल और दयाराम को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद यह मामलाचर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर भी इस घटनाक्रम को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मंत्री जी के गांव में लोगों ने पानी मांगा, मिली एफआईआर.. जैसे संदेश तेजी से वायरल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने केवल पेयजल संकट के समाधान की मांग की थी, जबकि विभाग का पक्ष है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी कार्य में व्यवधान उत्पन्न

हुआ। मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक चर्चाओं का दौर जारी है। ग्रामीणों ने पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की मांग करते हुए दर्ज मुकदमों पर भी पुनर्विचार की मांग की है। इसी घटना पर पूर्व सीएम गहलोत ने हमला बोलते हुए कहा कि पानी मांगोगे तो जेल जाओगे। राजस्थान में भाजपा सरकार का नया डबल इंजन सर्कस है। जोधपुर के धुंधाड़ा गांव में ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री और इसी गांव के निवासी जोगाराम पटेल के सामने पानी की किल्लत की समस्या रखी और पानी दिलाने की मांग की थी। मंत्रीजी पानी तो नहीं दिला सके, उल्टा जलदाय विभाग ने ग्रामीणों पर राजकार्य में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज करवा दी। आवश्यकता को भी पूरा नहीं कर सकते? गहलोत ने आगे लिखा- यह दिखाता है कि सत्ता के मद में सरकार के मंत्रियों और प्रशासन की मति भ्रष्ट हो चुकी है। इससे पूर्व में भी जब मंत्री जोराराम कुमावत से पेयजल की मांग की गई थी, तब गांववालों के बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए गए थे। खास बात यह भी है कि सहायक अभियंता ने राजकार्य में बाधा का आरोप लगा मुकदमा दर्ज करवाया है। लेकिन यह प्रदर्शन विभाग के कार्यालय में नहीं होकर गांव के अंदर हुआ था। जहां आस-पास कोई विभाग भी नहीं था, ना ही कोई राजकार्य था। इसके बावजूद जलदाय विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज करवाया गया. सामान्यत: ऐसे मामलों में पुलिस ही रास्ता रोकने पर मुकदमा दर्ज करती है। लेकिन जलदाय विभाग इस मामले में सरकारी पक्ष बना है। जब मुकदमा दर्ज करवाने वाले जलदाय विभाग के सहायक अभियंता मानसिंह धाकड़ से बात की, तो उनका कहना था कि प्रदर्शन गांव में हुआ था, लेकिन पेयजल को लेकर बनी एक कमेटी के निर्णय के आधार पर लूणी पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर गोविंद सिंह को सौंपी गई हैं।

ईपीएफ घोटाले के विरोध में किसान सलाहकारों का आंदोलन शुरू

सुपौल (हिंस)। जिला कृषि कार्यालय परिसर के बाहर बुधवार को बिहार राज्य किसान सलाहकार संघ की जिला इकाई ने कथित ईपीएफ घोटाले के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की। संघ के पदाधिकारियों और किसान सलाहकारों ने घोटाले में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई तथा गबन की गई राशि वापस कराने की मांग उठाई। जिला अध्यक्ष सचिन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमन कुमार ने कहा कि ईपीएफ की राशि किसान सलाहकारों की मेहनत और पसीने की कमाई है, इसलिए इसकी एक-एक पाई वापस मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए के इस मामले को हल्के में नहीं लिया जा सकता और दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सजा दिलाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ईपीएफ राशि की फर्जी निकासी, गलत खातों में धन हस्तांतरण तथा बिना सहमति के पैसे निकालने जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं, जिससे किसान सलाहकारों के भविष्य पर संकट उत्पन्न हो गया है। संघ ने पूरे प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) या स्पेशल विजिलेंस से कराने की मांग की। संघ नेताओं ने कहा कि प्रभावित किसान सलाहकारों की राशि ब्याज सहित 30 दिनों के भीतर उनके खातों में लौटाई जाए। जिला अध्यक्ष सचिन कुमार सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ है।

अटारी में निजी अस्पताल पर एनसीबी की छापेमारी, नशीली गोलियों के साथ डॉक्टर गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। नशीली दवाओं की अवैध बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे अटारी कस्बे के एक निजी अस्पताल में छापेमारी कर डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान अस्पताल की केमिस्ट शॉप से करीब 800 नशीली गोलियां बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डॉ. चनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। वहीं, एनसीबी ने डॉ. दिलप्रीत सिंह समेत दो अन्य व्यक्तियों को भी पूछताछ के लिए समन जारी कर एजेंसी के समक्ष पेश होने के निर्देश दिए हैं। एनसीबी को सूचना मिली थी कि अस्पताल से पिछले कई वर्षों से नशीली और प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर एनसीबी की टीम ने अस्पताल में छापेमारी की और मौके से बड़ी मात्रा में संदिग्ध गोलियां बरामद कीं। जांच के दौरान एजेंसी ने अस्पताल से पिछले 10 वर्षों के दवाओं की खरीद और बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड भी मांगा है। अधिकारियों को आशंका है कि नियंत्रित दवाओं की बिक्री कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन कर की गई हो सकती है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। बरामद की गई गोलियों को परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, जबकि अस्पताल से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की भी गहन जांच की जा रही है। फिलहाल एनसीबी पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी हुई है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश में साध्वियों की मौत के विरोध में जैन समाज ने निकाला रोष मार्च

फरीदाबाद (हिंस)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में पद-विहार कर रही जैन साध्वियों को एक वाहन द्वारा टक्कर मारने की घटना को लेकर देशभर के जैन समाज में रोष है। इसी कड़ी में बुधवार को फरीदाबाद में जैन समाज के सैकड़ों लोगों ने एकत्र होकर रोष मार्च निकाला और डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिसके बाद जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन भेजा और जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने की मांग की। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि रीवा में सड़क किनारे पद-विहार कर रही तीन साध्वियों को एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी थी। इस घटना में दो साध्वियों की मौत हो गई, जबकि एक साध्वी गंभीर रूप से घायल हैं। समाज के लोगों का कहना है कि यह केवल एक सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं लगती और मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि साध्वियों को निशाना बनाकर टक्कर मारी गई है। ज्ञापन में कहा गया कि जैन साधु-साध्वियां पूरी तरह अहिंसक जीवन जीते हैं और पैदल ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक पद-विहार करते हैं। वह किसी प्रकार के वाहन या सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था जरूरी है।

विकसित भारत 2047 की संकल्पना में युवाओं की अहम भूमिका : गर्ग

जोधपुर (हिंस)। कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव सृजन-2026 का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक बिलाड़ा व बोम के सदस्य अर्जुन लाल गर्ग रहे। समारोह में विशिष्ट अतिथि जेएनवीयू के कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल रहे। अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक गर्ग ने कहा कि अगर विकसित भारत 2047 की संकल्पना को साकार करना है तो कृषि से जुड़े परंपरागत उद्योग धंधों को जीवंत कर उन्हें गति देनी होगी। नौकरी के अतिरिक्त युवाओं को एंटरप्रेन्योरशिप की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि युवा शब्द को जब उलट करते हैं तो ये वायु होता है, अर्थात युवाओं में असीम शक्ति है, जो भविष्य के भारत का विश्व में प्रतिनिधित्व करेंगे। समारोह में कुलगुरु प्रोफेसर शर्मा ने कृषि को सृजन का आधार बताते हुए कहा कि कृषि जीवन का सार, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं को कहा कि अपनी प्रतिभा को निखारे, रचनात्मकता का कोई सानी नहीं, इसे निरंतर बढ़ाए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी जितने कमिटमेंट के साथ काम करेगी, राष्ट्र

की भी उतनी ही तरक्की होगी। इस दौरान कुलगुरु प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान को साकार करने के लिए है, अत: नव सृजन के सहभागी बने। कुलगुरु प्रोफेसर जैतावत ने कहा कि युवा नई सोच, नव निर्माण व नयी संभावनाओं के सृजनकृता बनें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में उत्तम ज्ञान के साथ-साथ सद् चरित्र का भी निर्माण हो। कार्यक्रम में स्वागत उद्‌बोधन एवं महाविद्यालय की वार्षिक प्रगति एवं विविध गतिविधियों की जानकारी महाविद्यालय के अधिष्ठाता व संकायाध्यक्ष डॉ. जीवाराम वर्मा ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान अतिथि के रूप में कुलगुरु की धर्मपत्नी सज्जन कंवर की भी मौजूदगी रही। उत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। राजस्थानी लोकगीत, बॉलीवुड और हरियाणवी गीतों पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त अंधविश्वास से दूर रहकर वैज्ञानिक खेती के लिए जागरूक करता हुआ नाटक, एकल व समूह गायन ने भी खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में अकादमिक, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ढिल्लों को परनीत कौर का समर्थन, चुनाव के लिए एकजुटता का संदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा सवाल उठाए जाने के कुछ दिनों बाद उनकी पत्नी और कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुईं परनीत कौर ने ढिल्लों को अपना पूरा समर्थन देने का ऐलान किया है। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में जहां केवल सिंह ढिल्लों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभालना था, परनीत कौर ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारी करने का संदेश दिया। कौर ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति पार्टी हाईकमान ने की है इसलिए उन्हें उनका पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। परनीत कौर ने केवल सिंह ढिल्लों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी हाईकमान ने आप पर भरोसा जताया है। आपसे पहले जिन नेताओं ने पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया है, हम उनका भी धन्यवाद करते हैं। हमें सभी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर काम करना होगा ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सफलता मिल सके। गौरतलब है कि इससे पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केवल सिंह ढिल्लों की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सफलता को लेकर संदेह जताया था।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 860वीं जयंती पर सम्मान समारोह सात को

जोधपुर (हिंस)। भारतेश्वर सम्राट पृथ्वीराज चौहान संस्थान की बैठक महाराजा गजसिंह राजपूत विश्राम सभा भवन राइकाबाग स्थित कार्यालय में हुई। इसमें सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 860वीं जयंती सात जून को बाड़मेर के मल्लिनाथ राजपूत महाविद्यालय छात्रावास में संभाग स्तरीय कार्यक्रम के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली छह विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्थान अध्यक्ष गोपाल सिंह रुदिया ने बताया कि यह समारोह केवल सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती नहीं, बल्कि उनके प्रमुख वीर योद्धा सहयोगियों के स्मरण का अवसर भी है। प्रवक्ता दयाल सिंह सिलारी ने बताया कि सम्राट के मंत्रिमंडल में विभिन्न राजपूत वंशों के प्रमुख योद्धा शामिल थे, जिनके सहयोग और सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों के कारण उन्हें 26 वर्ष के जीवन में 52 युद्धों में विजय प्राप्त हुई। बैठक में संस्थान संयोजक श्यामसिंह सजाड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम सिंह रोहिणा, समन्वयक गोपाल सिंह भलासरिया, महासचिव एडवोकेट राजेंद्र सिंह पीपरली,

कोषाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह सजाड़ा, देवेंद्र सिंह, विक्रम सिंह भाचरना, पूनम सिंह संखवास, देवेंद्रसिंह सायला, संग्राम सिंह रोहिचा, राजबहादुर सिंह सिलारी, परविंदर सिंह पांचला, बनेसिंह सजाड़ा व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर रविंद्र सिंह राठौड़ को वीरता के क्षेत्र में पंजवनराय कच्छवाह सम्मान, क्षत्रिय सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति सिंगोली चारभुजा को समाज उत्थान के क्षेत्र में चामुंडराय दाहिमा सम्मान, शैतान सिंह गिरवर एडवोकेट को संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में अजानबाहु लोहाना तंवर सम्मान, कमल सिंह महेचा चुली को शिक्षा उत्थान के क्षेत्र में विद्यावाचस्पति जयानक सम्मान, सुमेरसिंह सावता व टीम ओरण को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नाहड़राव प्रतिहार सम्मान, कालू सिंह गंगासरा को कला, संस्कृति एवं साहित्य के क्षेत्र में चंद्रवरदाई सम्मान मिलेगा।

गाजियाबाद में सरकारी जमीन पर बने मदरसे पर चला बुलडोजर

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के डासना इलाके में अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की है। मसूरी थाना क्षेत्र के कल्लुगढ़ी ग्राम में सरकारी जमीन पर बने मदरसे को जिला प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने इस कारवाई की जानकारी दी। यह कार्रवाई एक हेक्टेयर सरकारी भूमि पर बने अवैध मदरसे के खिलाफ की गई है। इस बेशकीमती जमीन पर मदरसा बनाकर गैरकानूनी ढंग से कब्जा किया गया था। तहसीलदार कोर्ट ने इस अवैध निर्माण के ध्वस्तिकरण के स्पष्ट आदेश जारी किए थे। इन आदेशों के बाद आज सुबह से ही बड़े पैमाने पर ध्वस्तिकरण अभियान चलाया गया। अवैध निर्माण को पूरी तरह से जमींदोज कर दिया गया है। इस पूरे प्रकरण में सरकार को हुए नुकसान के लिए 1 करोड़ 23 लाख रुपए की कुल रिकवरी निकाली गई है। यह बड़ी राशि अवैध कब्जा करने वालों से सख्ती से वसूली जाएगी। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार गाजियाबाद में लगभग 400 मदरसे और कब्रिस्तान सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाए गए हैं। इसकी सूची अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा तैयार की गई है। हाल ही में उम्मीद पोर्टल पर ऐसे 330 वक्फ संपत्तियों का सूचीकरण निरस्त किया गया है। दावेदारों को दस्तावेज जमा करने के लिए 05 जून तक का समय दिया गया है। संभावना है कि 05 जून के बाद अवैध मदरसों पर कार्रवाई और तेज की जाएगी, जिससे कि अरबों रुपए की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया जा सकेगा।

तीन महीने में बनेगी नई कोचिंग नीति, अराजकता और भ्रामक प्रचार पर लगेगी रोक : शिक्षा मंत्री

पटना (हिंस)। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर के ग्लोबल कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़, मारपीट और हंगामे की घटना के बाद बिहार सरकार कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। राज्य के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि सरकार अगले तीन महीने के भीतर कोचिंग संस्थानों के लिए एक नई नीति लागू करेगी, जिसके तहत इनके संचालन, प्रचार-प्रसार और जवाबदेही से जुड़े स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाएंगे। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग शिविर के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में पारदर्शिता और अनुशासन स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि नई नीति के माध्यम से कोचिंग संस्थानों की कार्यप्रणाली को व्यवस्थित किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अराजकता, षड्यंत्र, भ्रामक प्रचार या अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाएगा। मिथिलेश तिवारी ने बताया कि सरकार सभी कोचिंग संस्थानों के लिए एक व्यापक *मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट* (आचार संहिता) तैयार करेगी। इस आचार संहिता में कोचिंग संस्थानों के संचालन, विज्ञापन, छात्र नामांकन, परीक्षा परिणामों के उपयोग और प्रचार-प्रसार के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कई बार परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विभिन्न संस्थानों के बीच सफल छात्रों को अपना छात्र बताने और श्रेय लेने की होड़ मच जाती है। इस तरह की गतिविधियों से छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। सरकार ऐसे मामलों पर कानूनी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में काम करेगी। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का स्वागत करती है, लेकिन हिंसा, दबाव, तोड़फोड़ और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी। पटना में हुई

हालिया घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ कोचिंग संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धा अब स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण की सीमा से आगे बढ़कर एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने और बदनाम करने तक पहुंच गई है। यह स्थिति शिक्षा जगत के लिए चिंताजनक है। सरकार इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मीडिया से बातचीत के दौरान शिक्षा मंत्री ने कुछ कोचिंग संचालकों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार छात्र आंदोलनों के पीछे कुछ कोचिंग संचालकों या उनसे जुड़े लोगों की सक्रिय भूमिका सामने आती है। उनके अनुसार कुछ तत्व छात्रों को आगे कर अपने हितों को साधने और सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। हालांकि, उन्होंने किसी विशेष संस्था या व्यक्ति का नाम नहीं लिया। टीआरई-4 शिक्षक भर्ती आंदोलन का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उस दौरान भी सरकार को ऐसी सूचनाएं मिली थीं, जिनसे यह संकेत मिला कि कुछ संगठित समूह छात्रों की आड़ में सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक आंदोलन और उससे जुड़ी परिस्थितियों का गंभीरता से अध्ययन करती है तथा आवश्यक होने पर कानून के अनुरूप कार्रवाई भी करती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई कोचिंग नीति का उद्देश्य केवल नियंत्रण स्थापित करना नहीं है, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना भी है।

हरियाणा पुलिस ने तैयार किया 10,892 अपराधियों का डाटाबेस

चंडीगढ़ (हिंस)। अपराध नियंत्रण और संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हरियाणा पुलिस ने रोहतक, झज्जर, सोनीपत और फरीदाबाद जिलों में विशेष आरजेएसएफ (रोहतक-झज्जर-सोनीपत-फरीदाबाद) यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट पिछले दस वर्षों में जघन्य अपराधों में शामिल अपराधियों का विस्तृत डाटाबेस तैयार कर उनकी गतिविधियों की निगरानी कर रही है। यह जानकारी हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में पुलिस मुख्यालय की वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियो ने भाग लिया। बैठक के दौरान रोहतक रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सिमरदीप सिंह ने बताया कि पुलिस महानिदेशक अजय

सिंघल के निर्देशानुसार इस यूनिट की शुरुआत सबसे पहले रोहतक जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी। अब इसे झज्जर, सोनीपत और फरीदाबाद जिलों में भी लागू किया गया। अब यह यूनिट चार जिलों में अपराध नियंत्रण और अपराधियों की निगरानी के लिए एक विशेष इंटेलिजेंस आधारित तंत्र के रूप में कार्य कर रही है। इसे भविष्य में अन्य जिलों में भी लागू करने की योजना है। आरजेएसएफ यूनिट ने पिछले दस वर्षों के दौरान हत्या, हत्या के प्रयास तथा अन्य गंभीर अपराधों में शामिल 10,892 अपराधियों का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया है। इस डाटाबेस में प्रत्येक अपराधी का आपराधिक इतिहास, गतिविधियां, संपर्क, सामाजिक पृष्ठभूमि तथा वर्तमान स्थिति का विस्तृत विवरण सहित कई अन्य तथ्य शामिल किये गए हैं। यूनिट द्वारा इन अपराधियों का केवल रिकॉर्ड तैयार नहीं किया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बांटते हुए उनके जोखिम स्तर का भी आकलन किया गया है। इससे पुलिस को यह समझने में मदद मिल रही है कि कौन से अपराधी दोबारा अपराध कर सकते हैं और किन व्यक्तियों के संगठित आपराधिक गिरोहों के संपर्क में आने की संभावना अधिक है। आरजेएसएफ यूनिट उन व्यक्तियों पर भी नजर रख रही है जिन्हें संगठित आपराधिक गिरोह अपने नेटवर्क में शामिल करने का प्रयास कर सकते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गैंगस्टर गिरोह छोटे अपराधियों, जमानत पर बाहर आए आरोपियों या आपराधिक प्रवृत्ति के युवाओं को अपने नेटवर्क में शामिल करने की कोशिश करते रहते हैं। यूनिट ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनकी गतिविधियों का विश्लेषण कर रही है ताकि उन्हें अपराध की दुनिया में और अधिक सक्रिय होने से पहले चिन्हित किया जा सके।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई साईकिल रैली

समस्तीपुर (हिंस)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा सक्सेस मिशन क्लब के परिसर से बीएड कॉलेज तक साईकिल रैली निकाली गई। उक्त रैली को माय भारत के उप निदेशक विजेता मजूमदार, डीपीओ जिला गंगा समिति नीरजेश कुमार, सक्सेस मिशन क्लब के संस्थापक सदस्य विकाश कुमार ने संयुक्त रूप से हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में संबोधन के दौरान उपनिदेशक विजेता मजूमदार द्वारा प्रतिदिन साइकिल चलाने हेतु अपील किया गया एवं शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाना बेहतर साबित हो सकता हैं। रैली में युवा एवं युवती

हाथ में तख्तियां लेकर संदेश दे रहे थे और साइकिल चलाओं पर्यावरण बचाओं, साईकिल चलाओं बीमारी भगाओ, साईकिल चलाओं स्वास्थ्य लाभ पाओ इत्यादि नारें लगा रहे थे। साइकिल रैली में माय भारत के स्वयंसेवक मो अली, सोनी, सुमित, मनोज के साथ साथ सक्सेस मिशन क्लब के सैकड़ों युवा एवं युवतियों ने भाग लिया।

एसबीआई, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा की आकर्षक योजनाएं

शेयर बाजार, सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित निवेश का बढ़ा आकर्षण, वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की उथल-पुथल के बीच निवेशक एक सुरक्षित ठिकाने की तलाश में हैं, जहां उनकी पूंजी सुरक्षित रहे और उन्हें निश्चित रिटर्न मिल सके। इक्विटी बाजार पिछले एक साल में 7 फीसदी से अधिक गिर चुका है, जबकि सोना और चांदी भी भारी उतार-चढ़ाव देख रहे हैं। ऐसे में फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) एक आकर्षक और जोखिम-मुक्त विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है, जो मौजूदा समय में 2.5 से 8 फीसदी तक का गारंटीड रिटर्न प्रदान कर रहा है। बैंक कई आकर्षक एफडी योजनाएं पेश कर रहे हैं, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए, जो उन्हें उच्च ब्याज दरों का लाभ उठाने का अवसर दे रही हैं। मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में जहां एक ओर महंगाई और भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर इक्विटी और कमोडिटी बाजारों में अप्रत्याशित अस्थिरता ने निवेशकों को परेशान कर रखा है। इस माहौल में अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न पाने की इच्छा रखने वाले निवेशकों के लिए फिक्स्ड डिपाजिट एक विश्वसनीय विकल्प बन गया है। कुछ प्रमुख बैंक विशेष अवधि वाली एफडी योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहे हैं, जिससे यह निवेश का एक शानदार विकल्प बन गया है।

प्रमुख एफडी योजनाएं (444 दिन की अवधि- 1. एसबीआई अमृत वृष्टि: इस योजना के तहत ग्राहक 444 दिनों के लिए 1,000 से 3 करोड़ रुपए तक का निवेश कर सकते हैं। सामान्य नागरिकों को 6.45 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 6.95 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष से अधिक) को 7.05 फीसदी तक ब्याज मिल रहा है। हालांकि, समय से पहले निकासी पर 5 लाख तक की एफडी पर 0.5 फीसदी और उससे अधिक पर 1 फीसदी पेनाल्टी लागू होगी। यह मासिक, तिमाही और छमाही मैच्योरिटी के विकल्प प्रदान करती है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष एफडी योजनाएं: स्टेट बैंक आफ इंडिया ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए वी केयर डिपाजिट स्कीम भी शुरू की है, जिसमें 5 साल और 10 साल तक की अवधि वाली एफडी पर 50 बेसिस पाइंट अधिक ब्याज मिलता है। इंडियन बैंक, बैंक आफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक जैसे अन्य बैंक भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष एफडी योजनाएं पेश कर रहे हैं, जो उन्हें उच्च रिटर्न सुनिश्चित करती हैं।

इंडियन बैंक आईएनडी सिक्योर एफडी: 444 दिनों की इस योजना में भी 1,000 से 3 करोड़ रुपए तक का निवेश किया जा सकता है। यह सामान्य नागरिकों को 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.10 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को सर्वाधिक 7.35 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज दे रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

टाटा की किफायती कारें है 360 डिग्री कैमरा से लैस

नई दिल्ली। ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां अब बजट कारों में भी 360 डिग्री कैमरा की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। कारों में यह फीचर ड्राइविंग को सुरक्षित और आसान बनाता है, खासकर पार्किंग, रिवर्सिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय। हाल ही में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक टियागो में 360 डिग्री कैमरा शामिल कर इसे इस सुविधा वाली देश की सबसे सस्ती कारों में शामिल कर दिया है। टाटा टियागो की कीमत 6.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके क्रिएटिव वेरिएंट से 360 डिग्री कैमरा मिलता है। इसके बाद टाटा पंच का नाम आता है, जिसकी शुरुआती कीमत 7.65 लाख रुपये है। इसमें एडवेंचर वेरिएंट से यह सुविधा उपलब्ध है। पंच का कैमरा सिस्टम शहरों में आसान ड्राइविंग और पार्किंग के लिए उपयोगी माना जाता है। टाटा टिगोर भी इस सूची में शामिल है। इसकी कीमत 7.83 लाख रुपये से शुरू होती है और टाप वेरिएंट एक्सजेड प्लस लक्स में 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। वही टाटा अल्ट्रोज के क्रिएटिव वेरिएंट में एचडी 360 डिग्री कैमरा उपलब्ध कराया गया है। इसकी कीमत 8.02 लाख रुपये से शुरू होती है और बेहतर कैमरा क्वालिटी इसकी खासियत मानी जा रही है। सूची में पांचवां स्थान सिट्रोएन सी3 का है, जिसकी शुरुआती कीमत 8.03 लाख रुपये है। इसके एक्स शाइन वेरिएंट में अतिरिक्त भुगतान पर 360 डिग्री कैमरा लगाया जा सकता है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए माडल करेंगी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए माडल लान्च करने की तैयारी कर रही हैं। अपकमिंग माडलों में इलेक्ट्रिक और पेट्रोल दोनों तरह के विकल्प शामिल होंगे। इनमें लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक कारों के साथ एक नई माइक्रो एसयूवी भी पेश की जाएगी। मारुति सुजुकी अपनी पहली सात-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी पर काम कर रही है, जिसे फिलहाल वाईएमसी कोडनेम दिया गया है। इस माडल को वर्ष 2026 के अंत तक लान्च किए जाने की संभावना है। इसमें वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 एडास जैसी आधुनिक सुविधाएं मिल सकती हैं। वाहन में 49 किलोवाट-घंटा और 61 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक के विकल्प मिलने की उम्मीद है, जो क्रमशः लगभग 440 और 543 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। मारुति के इस माडल के बाद टोयोटा भी इसी प्लेटफार्म पर आधारित अपना संस्करण बाजार में उतारेगी। हालांकि तकनीकी रूप से दोनों वाहन काफी हद तक समान होंगे, लेकिन डिजाइन और बाहरी स्टाइलिंग में अंतर देखने को मिलेगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी ने हाल ही में इग्निस को बंद किया है और उसकी जगह एक नई माइक्रो एसयूवी विकसित की जा रही है।

मित्सुबिशी पजेरो अपनी वापसी के लिए पूरी तरह तैयार

नई दिल्ली। मित्सुबिशी पजेरो अपनी वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। नई 2026 पजेरो का आधिकारिक टीजर भी जारी किया है। यह आइकानिक एसयूवी मोंटेरो नाम से उपलब्ध होगी। नई पजेरो को उसी लैडर-फ्रेम प्लेटफार्म पर बनाया गया है जिस पर ट्राइटन पिकअप ट्रक आधारित है, जो इसे पजेरो स्पोर्ट के ज्यादा करीब लाता है। हालांकि, मित्सुबिशी इस माडल को अधिक प्रीमियम श्रेणी में रख रही है, जिसमें उत्कृष्ट आफ-रोड क्षमता और एक परिष्कृत, आरामदायक सवारी का अनुभव मिलेगा। जारी किए गए टीजर इमेज में एसयूवी की लाइटिंग डिजाइन प्रमुखता से दिखाई गई है, जिसमें मित्सुबिशी लोगो को घेरने वाली लंबी अ-शेप की एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स हैं। हाल ही में लीक हुए स्पाई शाट्स से पता चलता है कि यह एसयूवी सीधी और मस्कुलर फेंडर्स के साथ बड़े आकार की होगी, जो इसे टोयोटा लैंड क्रूजर का सीधा प्रतिस्पर्धी बनाने का दम रखती है। मित्सुबिशी इस नए माडल को क्रास-कंट्री एसयूवी और अपना नया फ्लैगशिप बता रही है। ब्रांड के लाइनअप में यह यूनिबाडी आउटलैंडर से ऊपर के सेगमेंट में आएगी।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, ब्रेंट क्रूड 97 डालर के ऊपर पहुंचा

नई दिल्ली

ईरान द्वारा बीती रात कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए मिसाइल हमले के बाद पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस तनाव की वजह से कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड की कीमत उछल कर 97 डालर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर चली गई। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 96 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।

इस सप्ताह के पहले दो ट्रेडिंग सेशन में ही कच्चे तेल की कीमत में लगभग सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैनिक ठिकानों को निशाना बनाए जाने की वजह से पश्चिम एशिया में एक बार फिर युद्ध भड़कने की आशंका बन गई है। इस तनाव के कारण खाड़ी देशों से दुनिया भर के दूसरे देशों में होने वाली पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई के भी बाधित होने की आशंका बनी हुई है।

ब्रेंट क्रूड ने 96.65 डालर प्रति बैरल केसर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होते ही इसकी कीमत कुछ देर के लिए घट कर 96.58 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आई, लेकिन इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह नौ बजे ब्रेंट क्रूड 97.16 डालर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की ट्रेडिंग 94.39 डालर प्रति बैरल के स्तर से शुरू हुई। शुरुआत में ही कुछ देर के लिए यह फिसल कर 93.45 डालर प्रति बैरल तक आया। इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह नौ बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 96.08 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी सीजफायर का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इसी तरह से होर्मुज स्ट्रेट के जरिए होने वाली आयल टैंकर्स की आवाजाही अभी भी लगभग ठप पड़ी हुई है। दोनों देशों के बीच जारी शांति वार्ता का भविष्य भी फिलहाल अनिश्चित बना हुआ है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर पड़ता हुआ नजर आ रहा है।

खासकर, बीती रात ईरान ने जिस तरह कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैनिक ठिकानों पर मिसाइल हमला किया, उसकी वजह से तनाव में एक बार फिर तेजी आने का डर बन गया है। इस डर के कारण कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके पहले दोनों देशों के बीच समझौता हो जाने की उम्मीद के कारण मई के महीने में कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 90 डालर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे चली गई थी। हालांकि अभी तक दोनों देशों के बीच समझौता होने की कोई ठोस संभावना नजर नहीं आ रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सीएमआर ग्रीन का आईपीओ, 10 जून को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

नान फेरस मेटल की रिसाइकिलिंग करने वाली कंपनी सीएमआर ग्रीन टेक्नोलाजीज का 630.88 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में पांच जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद आठ जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि नौ जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 10 जून को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 182 रुपये से लेकर 192 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 78 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 78 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,976 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,688 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 1,014 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,28,58,323 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 65,42,929 शेयर रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 21.43 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.62 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलाजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 104.51 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 838.56 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में स्थिति बदली और कंपनी 155.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 162.39 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

आरबीआई ने कहा-सोना बेचने की खबरें गलत

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें यह दावा किया गया था कि उसने अपने स्वर्ण भंडार का कुछ हिस्सा बेच दिया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि उसके पास मौजूद सोने की मात्रा 880.52 टन पर अपरिवर्तित बनी हुई है। एक अमेरिकी मीडिया कंपनी ब्लूमबर्ग ने दावा किया था कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रभाव से विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा के लिए केंद्रीय बैंक ने लगभग 12 अरब डालर मूल्य का सोना बेच दिया हो सकता है। ब्लूमबर्ग इकोनामिक्स ने एक विश्लेषण आधार पर यह दावा किया था। केंद्रीय बैंक ने अफवाहों से बचने और प्रामाणिक जानकारी के लिए हमेशा आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने की अपील की है। शीर्ष बैंक ने जारी बयान में कहा कि आरबीआई के संज्ञान में मीडिया के कुछ वर्गों में ऐसी रिपोर्टें आई हैं, जिनमें रिजर्व बैंक द्वारा सोना बेचे जाने की बात कही गई है। आरबीआई इस बात पर जोर देता है कि ये रिपोर्टें सही नहीं हैं।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार सोना-चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान तेज उठा-पटक का गवाह बना। एनवीडीया, मार्वेल, टेस्ला और एप्पल के स्टाक में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार ने शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी बढ़त ले ली थी, लेकिन ईरान के साथ तनाव बढ़ने की खबर आते ही वाल स्ट्रीट में बिकवाली शुरू हो गई। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 228.91 अंक यानी 0.45 प्रतिशत कि बढ़त के साथ 51,307.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,609.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 27,093.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 51,304.56 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,373.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत उछल कर 8,209.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,124.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से चार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 202.50 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,290 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 446.32 अंक यानी 1.74 प्रतिशत लुढ़क कर 25,592 अंक के स्तर तक चला गया है। वहीं जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 249.17 अंक यानी 4.02 प्रतिशत की जबरदस्त गिरावट के साथ 5,946.26 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,135.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत उछल कर 4,097.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,937.76 अंक यानी 2.90 प्रतिशत की उछाल के साथ 68,672 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 916.98 अंक यानी 2.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,474.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

आस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 41 रन से हराया, तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर

लाहौर

आस्ट्रेलिया ने मंगलवार रात लाहौर में खेले गए, दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी कर ली। धीमी और कम उछाल वाली पिच पर तेज गेंदबाज नाथन एलिस की घातक गेंदबाजी ने मैच का रुख आस्ट्रेलिया के पक्ष में मोड़ दिया। एलिस ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। एलेक्स कैरी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद मैथ्यू शार्ट और मार्नस लाबुशेन भी जल्दी पवेलियन लौट गए, जिससे टीम 51 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आ गई। इसके बाद जोश इंग्लिस और कैमरून ग्रीन ने पारी संभाली। दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को स्थिरता दी। इंग्लिस ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाए, जबकि ग्रीन ने संयमित अंदाज में 53 रन जोड़े। मध्यक्रम में मैट रेनशा और ओलिवर पीक ने भी अहम योगदान दिया। अंतिम ओवर में पीक के चौके और छक्के की मदद से आस्ट्रेलिया 50 ओवर में 231/9 तक पहुंचने में सफल रहा। 232 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी बेहद खराब रही। माज़ सदाकत पहली ही ओवर में बोल्ड हो गए। इसके बाद साहिबजादा फरहान, बाबर आजम और सलमान आगा भी जल्दी आउट हो गए। नाथन एलिस, मैथ्यू शार्ट और एडम ज़म्पा की सटीक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया और टीम 78 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हालांकि इसके बाद शादाब खान ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी की। उन्होंने अराफात मिन्हास के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी कर मुकाबले में जान फूंकी। शादाब ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए और टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। शाहीन अफरीदी ने भी कुछ तेज रन बनाए लेकिन जैसे ही शाहीन आउट हुए, पाकिस्तान की उम्मीदें खत्म हो गईं। नाथन एलिस ने वापसी करते हुए अपना चौथा विकेट हासिल किया और अंत में तनवीर संघा ने शादाब का विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी समाप्त कर दी।

संक्षिप्त स्कोर:

आस्ट्रेलिया – 231/9 (50 ओवर) — कैमरून ग्रीन 53, जोश इंग्लिस 51; शाहीन अफरीदी 3/36, अराफात मिन्हास 2/27

पाकिस्तान – 190 (44.1 ओवर) — शादाब खान 71; नाथन एलिस 4/33, मैथ्यू शार्ट 3/36

परिणाम: आस्ट्रेलिया 41 रन से विजयी।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई टी20 लीग : अर्जुन तेंदुलकर ने आलराउंड प्रदर्शन कर अपनी, टीम को जीत दिलायी

मुंबई। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी।

अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट लिए और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी। जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

सेन डियागो। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबाल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबाल प्रशंसको को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबालर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये। ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

अपने डेब्यू मैच में ही स्काटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकार्ड

लंदन। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्काटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकार्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकार्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकार्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज का कार्यक्रम घोषित किया, 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक खेले जाएंगे मुकाबले

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस साल के अंत में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंचेगी जहां उसे पांच टी20, पांच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलेगी। इस प्रकार कुल 12 मुकाबले पांच अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत 22 अक्टूबर से होगी और यह 1 दिसंबर तक चलेगी। यह पहली बार होगा जब न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अपनी धरती पर भारत के खिलाफ एक साथ तीन अलग-अलग प्रारूपों में 12 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम साल 2019 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज के लिए पहुंचेगी। साल 2022 के बाद यह भारतीय टीम का पहला सीमित ओवरों का दौरा होगा। भारतीय टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहला टी20 मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा टी20 भी 24 अक्टूबर को उसी मैदान पर खेला जाएगा। वहीं सीरीज का तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में और चौथा टी20 30 अक्टूबर को आकलैंड में, और पांचवां व अंतिम टी20 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद, दोनों टीमें पांच मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को आकलैंड में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। तीसरा मैच 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। अंतिम दो एकदिवसीय मुकाबले माउंट माउंगानुई में 13 नवंबर और 15 नवंबर को खेले जाएंगे।वहीं अंत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में खेला जाएगा, जो दोनों टीमों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में आयोजित होगा, जिसके साथ भारत का यह दौरा समाप्त होगा। भारत के खिलाफ इस सीरीज के अलावा, न्यूजीलैंड कीवी टीम घरेलू मैदान पर श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ भी सीरीज की मेजबानी करेगी, और जनवरी के अंत व फरवरी की शुरुआत में अपने घरेलू सत्र का समापन करेगी।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडिमय में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वही इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वही डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप मे इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

फीफा विश्व कप 2026: बेल्जियम ने अभ्यास मैच में क्रोएशिया को 2-0 से हराया

रियेका

लुकाकू ने बेल्जियम के लिए दागा 90वां गोल

फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मंगलवार को खेले गए मैत्री अभ्यास मैच में बेल्जियम ने मेजबान क्रोएशिया को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में बेल्जियम के स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए अपना रिकार्ड 90वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। यह पिछले 12 महीनों में बेल्जियम के लिए उनका पहला मैच था। बेल्जियम को शुरुआती बढ़त कप्तान यूरी टिलेमांस ने दिलाई। 38वें मिनट में क्रोएशिया की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने नजदीक से गोल दागा। यह मूव जेरेमी डोकू के शानदार आक्रमण के बाद बना। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई बदलाव किए। बेल्जियम ने आठ खिलाड़ियों को मैदान में उतारा, जबकि क्रोएशिया ने 10 बदलाव किए। लुकाकू को अंतिम 18 मिनट के लिए मैदान पर भेजा गया और उन्होंने मुकाबले की आखिरी कोशिश में तेज़ शाट लगाकर गोल कर दिया। 33 वर्षीय लुकाकू क्लब स्तर पर नापोली के साथ निराशाजनक सीजन के बाद वापसी कर रहे हैं। पूरे सीजन में वह शुरुआती एकादश में जगह नहीं बना सके और हैमस्ट्रिंग चोट से भी जूझते रहे। बेल्जियम के हांस वानाकेन ने भी दूसरे हाफ में हेडर लगाया, लेकिन गेंद क्रासबार से टकरा गई। वहीं क्रोएशिया के आंते बुदिमिर और लुका मोड्रिच मौके नहीं भुना सके। अब क्रोएशिया अपना अगला अभ्यास मैच स्लोवेनिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाफ खेलेगा, जबकि बेल्जियम का सामना ट्यूनीशिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम से होगा। विश्व कप में बेल्जियम अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को मिस्र के खिलाफ करेगा, जबकि क्रोएशिया 17 जून को इंग्लैंड राष्ट्रीय फुटबाल टीम से भिड़ेगा।

नार्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को हराकर खिताबी दौड़ में बनाए रखी उम्मीदें

नई दिल्ली। ओस्लो में जारी नार्वे शतरंज 2026 के आठवें दौर में भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराकर खिताब की दौड़ को और रोमांचक बना दिया। यह इस टूर्नामेंट में दूसरी बार है जब प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को मात दी है। इससे पहले भी उन्होंने चौथे दौर में कार्लसन को हराया था। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद के अब 12 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रतियोगिता में अब केवल दो दौर शेष हैं और भारतीय खिलाड़ी शीर्ष स्थान से सिर्फ दो अंक पीछे हैं। अमेरिका के वेस्ली सो 14 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि फ्रांस के अलीरजा फिरोजजा 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं ओपन वर्ग में भारत के दूसरे खिलाड़ी डी. गुकेश को इस दौर में अलीरजा फिरोजजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गुकेश फिलहाल 8 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं, जबकि कार्लसन उनसे केवल एक अंक आगे हैं।

अंडर-18 एशिया कप 2026: भारत ने सिंगापुर को 25-0 से रौंदा

भारतीय टीम ने पूल-ए में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली

भारतीय महिला अंडर-18 हाकी टीम ने महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में अपने अंतिम पूल-ए मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। जापान के काकामिगाहारा में खेली गई इस एकतरफा जीत के साथ भारत ने ग्रुप चरण का समापन तीनों मैच जीतकर किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय टीम के लिए नौशीन नाज़ सबसे बड़ी स्टार रहीं। उन्होंने शानदार सात गोल दागे (8, 13, 17, 18, 40, 52, 58)। वहीं प्लेयर आफ द मैच चुनी गई गीताश्री नम्मी ने पांच गोल किए (13, 28, 47, 48, 60)। कप्तान स्वीटी कुजूर ने चार गोल (2, 24, 38, 45) कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा प्रियंका मिंज ने हैट्रिक लगाई (22, 37, 53), दीया (27), नैन्सी सरोहा (36), श्रुति कुमारी (40), पुष्पा मांझी (47), रश्मीन कौर (47) और संदीपा कुमारी (51) ने भी गोल दागकर जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दूसरे मिनट में कप्तान स्वीटी ने पहला गोल किया। इसके बाद नौशीन और गीताश्री ने लगातार हमले करते हुए सिंगापुर की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा और हाफ टाइम तक टीम ने बड़ा अंतर बना लिया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने गोलों की झड़ी लगाते हुए मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। भारत ने इससे पहले मलेशिया, कोरिया और सिंगापुर को हराया और नौ अंकों के साथ पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब टीम के सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पूल-बी के मुकाबलों के बाद होगा।

इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टी 20 में 6 विकेट से हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

टानटन

एलिस कैप्सी और हीदर नाइट की बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार देर रात (भारतीय समयानुसार बुधवार) को भारत को अंतिम टी20 मुकाबले में 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार वापसी की और 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। दूसरे ही ओवर में डैनी वायट-हाज आउट हो गई, जबकि सोफिया डंकली भी जल्दी पवेलियन लौट गई। पावरप्ले के अंतिम ओवर में एमी जोन्स का विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड दबाव में दिख रहा था।

हालांकि इसके बाद एलिस कैप्सी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों पर लगातार हमला बोला और केवल 26 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर कप्तान हीदर नाइट ने संयम के साथ पारी को संभाला और धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई।

दोनों बल्लेबाजों के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। कैप्सी ने 82 रन की शानदार पारी खेली, जबकि नाइट 70 रन बनाकर नाबाद लौटीं। अंत में नाइट ने चौके के साथ इंग्लैंड को जीत दिलाई।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 180 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो गईं।

इसके बाद यास्तिका भाटिया ने तेज बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में रन गति बनाए रखी। उन्होंने आकर्षक शाट्स लगाए लेकिन रन आउट होकर पवेलियन लौट गईं।

मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिम्मेदारी संभाली और नाबाद 56 रन बनाए। हालांकि अंतिम पांच ओवरों में भारतीय टीम केवल 48 रन ही जोड़ सकी, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ।

इंग्लैंड की ओर से लारेन बेल ने महत्वपूर्ण दो विकेट लिए।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत महिला: 180/5 (20 ओवर) — हरमनप्रीत कौर 56*, यास्तिका भाटिया 32; लारेन बेल 2/36

इंग्लैंड महिला: 184/4 (18.3 ओवर) — एलिस कैप्सी 82, हीदर नाइट 70*; अरुंधति रेड्डी 2/31

परिणाम: इंग्लैंड महिला 6 विकेट से विजेता।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज़ हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

अबीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराएं।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

स्क्रब करते समय इन बातों का ध्यान रखें

त्वचा को निखारने के लिए हम कई तरीके प्रयोग करते हैं, इसमें एक है स्क्रब। स्क्रब से चेहरे की डेड स्किन निकल जाती है, और नई त्वचा चेहरे पर आ जाती है। नियमित अंतराल पर स्क्रब करने से चेहरा साफ नजर आता है और दाग धब्बे भी गायब होने लगते हैं। स्क्रब बहुत जोर से तो बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए, इससे त्वचा डैमेज हो सकती है। जैसे हम नए कपड़े लेकर आते हैं और उसका ध्यान बहुत अच्छे से रखते हैं।

धनिया की पत्तियों का सेवन है लाभकारी

धनिया और इसके पत्तों का सेवन कई मायनों में लाभकारी है। धनिया की हरी पत्तियों का लोग भोजन में कई प्रकार से उपयोग करते हैं। साथ ही, घरेलू उपचार के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है। धनिया को ताजे छाछ में मिला कर पीने से बदहजमी, मितली, पेचिश और कोलाइटिस से राहत मिलती है। टायफायड होने की स्थिति में हरी धनिया के पत्तों का सेवन करने से लाभ मिलता है।

अपनी ओर से हम हमेशा संतुलित और पौष्टिक आहार अपनाने की कोशिश करते हैं। फिर भी आज की अति व्यस्त जीवनशैली की वजह से हमारे खानपान में कोई न कोई ऐसी कमी रह ही जाती है, जिससे सेहत संबंधी कई समस्याएं हमें परेशान करने लगती हैं। वैसे तो सभी विटमिंस और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स हमारी अच्छी सेहत के लिए जरूरी होते हैं, पर विटमिन बी-12 एक ऐसा तत्व है, जिसकी कमी सेहत के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदेह साबित होती है।

विटमिन बी-12

क्या काम है इसका

विटमिन बी-12 हमारी कोशिकाओं में पाए जाने वाले जीन डीएनए को बनाने और उनकी मरम्मत में सहायता करता है। यह ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड और नर्व्स के कुछ तत्वों की रचना में भी सहायक होता है। हमारी लाल रक्त कोशिशओं का निर्माण भी इसी से होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों के लिए अलग-अलग तरह के प्रोटीन बनाने का भी काम करता है। यह ऐसा विटमिन है, जिसका अवशोषण हमारी आंतों में होता है। वहां लैक्टो बैसिलस मौजूद होते हैं, जो बी-12 के अवशोषण में सहायक होते हैं। फिर यह लिवर में जाकर स्टोर होता है। उसके बाद शरीर के जिन हिस्सों को इसकी जरूरत होती है, लिवर इसे वहां भेजने का काम करता जाता है।

क्यों जरूरी है

वेजिटेरियन

शाकाहारी लोगों को अपने खानपान का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। उनके पास विटमिन बी-12 हासिल करने के स्रोत सीमित संख्या में होते हैं, इसलिए उन्हें दूध, दही, पनीर, चीज, मक्खन, सोया मिल्क या टोफू का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। बी-12 मुख्यतः मिट्टी में पाया जाता है। इसलिए यह जमीन के भीतर उगने वाली सब्जियों जैसे-आलू, गाजर मूली, शलजम, चुकंदर आदि में भी आंशिक रूप से पाया जाता है। इसके अलावा 45 मल्टीग्रेन ब्रेड और वे प्रोटीन पाउडर भी इसके अच्छे स्रोत हैं। यदि एक किलोग्राम आटे में 100 ग्राम व प्रोटीन पाउडर मिला दिया जाए तो इससे व्यक्ति को विटमिन बी-12 का पोषण मिल जाता है।

उपचार एवं बचाव

अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किए सीरम विटमिन बी-12 की जांच करवानी चाहिए। अकसर लोग इसके लक्षणों को मामूली थकान या एनीमिया समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, पर ऐसा करना उचित नहीं है क्योंकि आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप धारण कर सकती है। शाकाहारी लोगों को अपने खानपान के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए और उन्हें मिल्क प्रोडक्ट्स का सेवन भरपूर मात्रा में करना चाहिए। आम तौर पर किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में इसकी मात्रा 400-500 पिकोग्राम/मिली लीटर होनी चाहिए। अगर शरीर में इसकी मात्रा इससे कम हो जाए तो व्यक्ति को मिथाइल कोबालामिन नामक टैबलेट या इंजेक्शन दिया जाता है। दवा की मात्रा मर्ज की गंभीरता पर निर्भर करती है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। यह दवा आंतों में मौजूद लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया को सक्रिय करने का काम करती हैं। अगर सही समय पर इसकी पहचान कर ली जाए तो दवाओं और स्वस्थ खानपान से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

खानपान में विटमिन बी-12

अकसर यह सवाल उठता है कि हमें अपने खानपान में किन चीजों को शामिल करना चाहिए, ताकि शरीर में विटमिन बी-12 की कमी न हो। यहां वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन लोगों के लिए दी जा रही है, कुछ ऐसी चीजों की सूची, जिनमें विटमिन बी-12 पाया जाता है ।

नॉनवेज

नॉन-वेजटेरियन लोगों को अंडा, मछली, रेड मीट, चिकिन और सी फूड से विटमिन बी-12 भरपूर मात्रा में मिल जाता है, पर इनके ज्यादा सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जो नुकसानदेह साबित होता है। इसलिए नॉनवेज का सेवन सीमित और संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

नोट: हमें रोजाना औसतन 2.4 माइक्रोग्राम विटमिन बी-12 की जरूरत होती है, जो शाकाहारी लोगों को सामान्यतः 2 ग्लास दूध, 2 कटोरी दही, 100 ग्राम पनीर के अलावा खाने में 4-5 मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटियां, 4-5 मल्टीग्रेन ब्रेड, ओट्स और बिस्किट के सेवन से मिल जाता है। नॉन-वेजटेरियन लोगों को नाश्ते में नियमित रूप से एक उबले अंडे के अलावा लंच और डिनर में चिकेन या फिश के दो पीसेज लेने चाहिए।

क्या है कमी की वजह

- आनुवंशिकता
- आंतों की कोई भी सर्जरी
- क्रोंज्स नामक आंतों की बीमारी, जिसकी वजह से आंतें विटमिन बी-12 का अवशोषण नहीं कर पातीं।
- अगर व्यक्ति को लंबे समय तक एनीमिया की समस्या रही हो तो उसमें भी विटमिन में बी-12 की कमी पाई जा सकती है। इसकी कमी से होने वाली समस्या को मेगालोब्लास्टिक एनीमिया कहा जाता है।
- अगर डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन का लंबे समय तक सेवन किया जाए तो भी आंतों में मौजूद विटमिन बी-12 नष्ट हो जाता है।

इसकी कमी को पहचानें कैसे

अगर शरीर में विटमिन बी-12 की कमी हो तो प्रायः ऐसे लक्षण देखने को मिलते हैं :

- हाथ-पैरों में झनझनाहट और जलन
- याद्दाश्त में कमी
- व्यवहार में अस्थिरता
- अनावश्यक थकान
- डिप्रेशन
- अगर शरीर में विटमिन बी-12 की बहुत ज्यादा कमी हो जाए तो इससे स्पाइनल कॉर्ड के नर्व्स नष्ट होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को पैरालिसिस तक हो सकता है।

याद्दाश्त की रक्षा करेंगे ये वर्कआउट

तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज दोनों जरूरी होते हैं। दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है और एकाग्रता बढ़ती है। चुस्त-दुरुस्त शरीर और तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज जरूरी होते हैं। यही नहीं, कुछ ताज़ा अध्ययनों से पता चला है कि डाइट में बदलाव लाकर, एक्सरसाइज व पजल खेलने से मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित लोग स्वस्थ हो सकते हैं। तो चलिए आज हम कुछ ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं, जिनसे मेमोरी बेहतर बनती है।

एरोबिक एक्सरसाइज करें : दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। साइकोलॉजी के जानकारों के अनुसार एक्सरसाइज दिमाग को दुरस्त रखती है और याददाश्त को भी रिस्टोर कर सकती है। इससे दिमाग की रक्त आपूर्ती बढ़ती है और वहां ज्यादा पोषण और ऑक्सीजन पहुंच पाता है। एरोबिक्स फिटनेस को बढ़ाती है और अधिक उम्र के मनुष्यों में ब्रेन टिशू लॉस को कम करती है और दिमाग को भी तेज करती है।

बेहतर याददाश्त के लिए स्वस्थ दिल : एक अध्ययन के मुताबिक स्वस्थ दिल के लिए किया जाने वाला वर्कआउट, उम्र बढ़ने के साथ होने वाली याददाश्त हानि से भी बचाता है। अनुसंधानकताओं ने अ नुसंधान के दौरान पाया कि स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। जिससे बाद के जीवन में संज्ञानात्मक क्षमताएं संरक्षित रहती हैं।

क्या है दिल और दिमाग का संबंध : दरअसल हमारे शरीर की धमनियां उम्र के साथ सख्त होती जाती हैं। अतः दिमाग तक रक्त पहुंचाने से पहले दिल तक जाने वाली महाधमनी तक रक्त पहुंचाने वाली नलिका भी कठोर होने लगती है। अनुसंधानकर्ता के अनुसार जिन वयस्कों की महाधमनियां बेहतर स्थिति में होती है और जो शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं अनका दिमाग और याददश्त भी बेहतर होते हैं। अध्ययन मुख्य रूप से इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जितनी जल्दी लोग जीवनशैली में बदलाव लाएंगे, उन्हें बुढ़ापे में दिमाग से जुड़ी बीमारी डिमेंशिया होने की संभावना भी काफी हद तक कम होगी। डिमेंशिया से लाखों लोग बच सकते हैं बशर्ते कि वे प्रतिदिन शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, और शरीर व दिमाग़ तरोताजा और हेल्दी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में एक्सरसाइज करें।

भ्रामरी प्राणायाम : ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, एकाग्रता बढ़ती है और मस्तिष्को को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, रक्त और पोषक तत्व मिल जाते हैं। इन सबसे याददाश्त बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम याददाश्त के लिए अच्छा होता है। इसे करने से ऐसे हार्मोंस निकलते हैं जो मस्तिष्क को शांत करते हैं।

उष्ट्रासन : उष्ट्रासन का अभ्यास करने पर रीढ़ से होकर गुजरने वाली स्त्रायु कोशिकाओं में तनाव पैदा होता है जिससे उनमें खून का संचार बढ़ जाता है और याददाश्त बेहतर होने लगती है। रोज़ाना तीन मिनट तक लगातार उष्ट्रासन करने से काफी फायदा होता है।

आपकी त्वचा के लिए अमृत है पानी

पानी न केवल आपके शरीर के सभी अंगों को सही प्रकार कार्य करने में मदद करता है, बल्कि साथ ही साथ यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

हाईड्रेशन

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है, संचार सुचारू रहता है और अन्य कई स्वास्थ्य परेशानियों से भी हमारा बचाव होता है। लेकिन, क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि पानी हमारी त्वचा के लिए भी जरूरी होता है। आपके लिए इससे जुड़े कुछ सवालों के जवाब लेकर आए हैं। हम आपको बताऐंगे कि कैसे अपने शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रखा जाए, ताकि त्वचा सुंदर और स्वस्थ बनी रहे।

सारा दिन कम होता है पानी

हमें दिन भर नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। आखिर हमारे शरीर से लगातार पानी कम होता रहता है। यहां एक बात जानना और जरूरी है कि हम जो भी पानी पीते हैं वह त्वचा तक पहुंचने से पहले हमारे शरीर के अन्य अंगों तक पहुंच जाता है। तो, ऐसे में त्वचा का बाहर से खयाल रखना भी जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन है खतरनाक

अगर त्वचा में पानी की अधिक कमी हो जाए, तो इससे वह रूखी, सख्त और पपड़ीदार हो जाती है। रूखी त्वचा पर झुर्रियां और अन्य प्रकार के नुकसान होने की आशंका अधिक होती है। तो, अपनी त्वचा को किसी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

त्वचा को भी चाहिए पानी

शरीर के अन्य अंगों की तरह हमारी त्वचा को भी पानी की जरूरत होती है। हमारी त्वचा पानी से बनी कोशिकाओं से निर्मित होती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह, हमारी त्वचा को भी सही प्रकार से काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है।

मॉश्चराइजर

अपनी त्वचा में नमी का जरूरी स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है कि रोज रात को मॉश्चराइजर लगाकर सोएं। इससे आपकी त्वचा को अच्छा पोषण मिलेगा। केमिकल उत्पादों के उपयोग से बचें। स्वस्थ त्वचा के लिए कुदरती उत्पादों का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

एक्सफोइलेट और हाइड्रेट

आपको अपनी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि उसका रुखापन भी दूर करने की जरूरत होती है। साथ ही साथ आपको मृत कोशिकाओं को हटाना भी होता है। आप अपनी त्वचा पर मॉश्चराइजर लगाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन और क्रेक कम हो सकते हैं। अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाये रखने के लिए इस क्रिया को नियमित रूप से दोहराया जाना जरूरी है।

पोषण दें

रोजाना खूब पानी पिएं। इससे आपकी त्वचा में पानी की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही आपको अपने आहार में भी बदलाव करने की जरूरत है। इसके लिए आपको खूब फल और सब्जियां खाने की जरूरत है। इससे आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलेगा। प्रोसेस्ड और तैलीय भोजन का सेवन न करें। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा नहीं है।

रूखी त्वचा का रखें ख्याल

अपनी त्वचा के रूखे हिस्सों पर आपको अधिक मेहनत करने की जरूरत होती है। अगर आपको एहसास हो कि आपकी त्वचा रूखी और खुजली वाली हो गयी है, तो उस पर आइंटमेंट अथवा क्रीम जरूर लगाएं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन दूर होगा। पानी की पर्याप्त मात्रा और त्वचा की सही देखभाल से आप अपनी त्वचा को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकते हैं।

रेसिपी

ओपन बीन बर्गर

सामग्री

टॉपिंग के लिए: 3/4 कप बेक्ड बीन्स, 1 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून टमॅटो कैचप, 3/4 कप पकाई हुई स्पैगेटी, नमक स्वादअनुसार, 2 बर्गर बन्स, पिघला हुआ मक्खन , **लगाने के लिए:** 4 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़

विधि

टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज़ और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। बेक्ड बीन्स् और टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। स्पैगटी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। टॉपिंग को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** ब्रेड बन्स् को 2 तिरछे भाग में काट लें। प्रत्येक ब्रेड बन के बीच के भाग को निकाल लें और प्रत्येक आधे भाग पर थोड़ा पिघला हुआ मक्खन लगाऐं। ब्रेड के आधे टुकड़ो को चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रखकर, पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 10 मिनट तक बेक कर लें। बर्गर बन को टॉपिंग के एक भाग से भरकर, 1 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस डालकर अंत में 1 टेबल-स्पून चीज़ छिड़के। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 3 और ओपन बर्गर बना लें। तुरंत परोसें।

क्रिमी टमेटो स्पैगटी

सामग्री

1/2 कप फ्रेश क्रीम, 1 कप हल्के उबले और कटे हुए टमाटर, 1/2 कप सन-ड्राईड टमेटोज, 7 से 8 किलो चैरी टमाटर, 3 कप पकाई हुई स्पैगटी, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, ताजी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, **परोसने के लिए:** गार्लिक ब्रेड

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। चिली फ्लैक्स, टमाटर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। सन-ड्राईड टमेटोज़, चैरी टमाटर, चीज़, फ्रेश क्रीम, स्पैगटी और काली मिर्च पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट के लिए पका लें। चीज़ से सजाकर गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**